



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 13, 1975 (भाद्रपद 22, 1897)

No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 13, 1975 (BHADRA 22, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, निर्यन्त्रक और महासंस्थापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 अगस्त, 1975

सं० ए०-32013/1/75-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री टी०, एन० चन्ना को राष्ट्रपति द्वारा, 7 जुलाई, 1975 से 21 अगस्त, 1975 तक अथवा किसी नियमित अधिकारी के पद ग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

तक अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार संभाल लिया।

पी० एन० मुखर्जी
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)
प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1975

फा० सं० ए०-11/22/75—श्री शेर सिंह, आयकर अधिकारी, आयकर विभाग, अहमदाबाद को प्रवर्तन निदेशालय के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 1 अगस्त, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

सूरज भान जैन
निदेशक

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 अगस्त 1975

सं० पी/1857-प्रशा०-I—भारतीय अर्थ सेवा के अधिकारी श्री ज्ञान प्रकाश ने 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1975

फा० सं० ए-11/11/75—निम्नलिखित सहायक प्रवर्तन अधिकारियों को प्रवर्तन अधिकारी के पदों पर उनके कार्य-भार ग्रहण करने की तारीख से अगले आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है। उनकी नियुक्ति के स्थान और कार्यभार ग्रहण करने की तारीख उनके प्रत्येक के नाम के आगे दी गई हैं।

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति का स्थान	कार्यभारग्रहण की तारीख
1.	श्री के जोन	त्रिवेन्द्रम	13-6-75 (पूर्वाह्न)
2.	श्री बी० एस० त्यागेस्वरन्	मुख्यालय (दिल्ली)	9-7-75 (पूर्वाह्न)
3.	श्री बी० सुब्रमणियन्	बंगलौर	23-6-75 (पूर्वाह्न)
4.	श्री आर० रविन्द्रनाथ	बम्बई	28-6-75 (पूर्वाह्न)
5.	श्री एम आर० चोपड़ा	आगरा	30-6-75 (पूर्वाह्न)
6.	श्री पी० एन० लढावाला	अहमदाबाद	11-6-75 (पूर्वाह्न)
7.	श्री बी० आर० शर्मा	जयपुर	24-6-75 (पूर्वाह्न)

नृपेन बक्सी
उप-निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1975

सं० ए-20014/36/75-प्रशासन-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री एम० टी० कुलकर्णी, पुलिस उप-निरीक्षक को, उनकी प्रोन्नति हो जाने पर, दिनांक 22 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की बम्बई (आर्थिक अपराध स्कंध) शाखा में अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक के रूप में नियुक्ति करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
कृते पुलिस उप-महानिरीक्षक
विशेष पुलिस स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1975

सं० जे-5/72-प्रशासन-5—अपने मूल विभाग में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री जे० पी० वशिष्ठ, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवाएं पुलिस महानिरीक्षक, पंजाब को सौंपी जाती हैं।

श्री जे० पी० वशिष्ठ को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो से दिनांक 30 अप्रैल, 1975 के अपराह्न में कार्यभार मुक्त किया गया है।

गुलजारी लाल अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली दिनांक 13 अगस्त 1975

सं० 2/35/74-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयोग एतद्वारा श्री जे० एन० राम, सहायक अभियंता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को 26 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

बी० शही विधे
अवर सचिव
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 अगस्त 1975

सं० ओ० टू० 136/75-ईस्ट० (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति भूतपूर्व ले० कर्नल, उमराव सिंह जोकि भारतीय स्थल सेना के एक अधिकारी हैं को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में प्रतिनियुक्ति पर अस्थाई रूप में कमान्डेट के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उन्होने कमान्डर के पद का कार्यभार द्वितीय सिगनल बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, में 28 जुलाई 1975 (पूर्वाह्न) को सम्भाला।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० ई-38013(3) 3/75-प्रशासन-I—बोकारो स्टील लिमिटेड से स्थानान्तरित होने पर, श्री आर० के० दीक्षित ने दिनांक 27 जून 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर के सहायक कमान्डेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 6 अगस्त 1975

सं० ई-16014(1)/18/73-प्रशा०-I—मणिपुर राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री बी० पी० सरसना, ने दिनांक 10 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, सुरक्षा पेपर मिल, होशंगाबाद, के कमान्डेट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-38013(3)/10/75-प्रशा०-I—भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, झरिया, को स्थानान्तरित होने पर, श्री बी० मिश्रा ने दिनांक 14 जुलाई, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, सरकारी अफीम फैक्ट्री, नीमच, के सहायक कमान्डेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 14 अगस्त 1975

सं० ई-38013(3)/10-75-प्रशा०-I—नीमच से स्थानान्तरित होने पर, श्री बी० मिश्रा, ने दिनांक, 25 जुलाई 1975 के पूर्वार्द्ध स केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बी० सी० सी० एल०, झरिया के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 19 अगस्त 1975

सं० ई-38013 (2)/1/75- प्रशा०-I—श्री लल्लमण दास आई० पी० एस०, ने दिनांक 5 मई, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, माइनिंग अलाइड मशीनरी निगम, दुर्गापुर, के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(3)/32/73-प्रशा०-I—दुर्गापुर से स्थानान्तरित होने पर, श्री ईश्वर सिंह ने श्री एम० एल० खुराना के स्थान पर दिनांक 18 मार्च, 1974 के पूर्वार्द्ध से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की 7वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय सिन्दरी में होगा। दुर्गापुर को स्थानान्तरित होने पर श्री एम० एल० खुराना ने उसी दिनांक के पूर्वार्द्ध से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. यह दिनांक 16 मई, 1974 की सम संख्या अधिसूचना का अधिक्रमण करती है।

एल० एस० बिष्ट
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० पी०/के० (1)-ए० डी०-I—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० पी०/के० (1)-ए० डी०-I दिनांक 22 फरवरी 1975 की अनुवृत्ति में राष्ट्रपति, पंजाब के उप-जनगणना निदेशक के पद पर श्री एच० एस० क्वात्रा की पुनः नियुक्ति को दिनांक 1 सितम्बर 1975 से 6 महीने की और अवधि के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं।

दिनांक 16 अगस्त 1975

सं० 25/2/74-आर० जी० (ए० डी०-I)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/2/74-आर० जी० (ए० डी०-I) दिनांक 17 मार्च 1975 की अनुवृत्ति में राष्ट्रपति, श्री आर० वाई० रेवाणेटी, सहायक जनगणना कार्य निदेशक (तकनीकी) की तदनु

नियुक्ति वर्तमान शर्तों पर जनगणना कार्य निदेशक, कर्नाटक बंगलूर के कार्यालय में दिनांक 15 मई 1975 से 30 सितम्बर 1975 तक के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 11/13/75-आर० जी० (ए० डी०-I)—राष्ट्रपति, श्री के० एस० लिंगडोह को जो मेघालय के जनगणना निदेशक के कार्यालय में सारिणी अधिकारी हैं उसी कार्यालय में सहायक जनगणना निदेशक के पद पर तदर्थ रूप से 3 महीने की अवधि के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो तत्काल सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बद्री नाथ
भारत के उप-महापंजीकार
एवं पदेन उप-सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय, महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश
हैदराबाद-500004, दिनांक 5 अगस्त 1975

सं० ई० बी० 1/8/312/74-75—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० ई० राम मूर्ति को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 28-7-75 के पूर्वार्द्ध से जब तक आगे आदेश न दिए जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पवोवति उनसे विरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

(ह०) अपठनीय
प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)
सहायक महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार, केरल

त्रिवेन्द्रम, दिनांक 13 अगस्त 1975

सं० एस्ट०/एन्ट०/6/10-3/132—केरल के महालेखाकार के कार्यालय के स्थानापन्न लेखा अधिकारी श्री पी० आर० नारायणन नायर का देहान्त दिनांक 29 जून 1975 को ही गया।

आर० सी० घई
महालेखाकार

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली वितांक 12 अगस्त 1975

सं० 40011 (2)/74-प्रशा० ए०—वार्धक्य निवृत्तिन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारी उनके सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिए गए/कर दिए जाएंगे :—

क्रम सं०	नाम रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
सर्वश्री				
1.	चमन लाल सोनी (पी/175)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-75	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), उत्तर मेरठ।
2.	श्री जी० एस० सेठी (पी/220)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
3.	के० बी० हरिहरन (पी०/256)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-75	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना), बम्बई।
4.	वी० आर० समर (पी०/297)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
5.	लाभ चन्द (पी०/618)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-75	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), उत्तर, मेरठ।
6.	एन० एस० नरसिम्हन (पी/623)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-75	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), दक्षिणी, मद्रास।
7.	वाई० वीरभद्र राव (ओ०/92)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-9-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक), दक्षिणी, मद्रास।
8.	आर० के० देव (ओ०/222)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।
9.	के० एन० ग्रहलवादी (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-8-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
10.	निरंजन सरकार (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-6-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।
11.	अवतार सिंह (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-75	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान मेरठ।

एस० के० सुन्दरम्
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय
भारतीय आर्डेनैन्स फैक्टरियां सेवा
महानिदेशालय, आर्डेनैन्स फैक्टरियां
कलकत्ता-16, दिनांक 14 अगस्त 1975

सं० 28/75-जी०—श्री हर प्रद चौधुरी, स्थायी अधीक्षक, अफसर सुपरवाइजर के पद पर, 30 अप्रैल, 1975 से आगामी आदेश न होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किए जाते हैं।

सं० 29/75-जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर निम्नलिखित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से सेवा निवृत्त हुए :—

नाम एवं पद	दिनांक
1. श्री जी० सरकार स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० (स्थायी टी० एस० ओ०)	31 मार्च, 1975 (अपराह्न)

नाम एवं पद

दिनांक

2. श्री एन० सी० पॉल,
स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०
(स्थायी टी० एस० ओ०)

28 फरवरी, 1975
(अपराह्न)

एम० पी० आर० पिल्लाय
सहायक महानिदेशक
आर्डेनैन्स फैक्टरियां

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 जुलाई 1975

सं० प्र०-1/1 (480)—स्थायी अवर क्षेत्र अधिकारी
और पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में

स्थानापन्न सहायक निदेशक ग्रेड-II श्री पी० डी० वेणुगोपाल दिनांक 30 जून, 1975 के अपराह्न से निवृत्त आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 14 अगस्त 1975

सं० प्र०-1/1 (958)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, एतद्वारा श्री विक्रम आदित्य को दिनांक 30 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 अगस्त 1975

सं० प्र०-1/1 (900)—स्थायी अधीक्षक तथा पूर्ति निदेशक (वस्त्र), बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री एम० ई० ग्रेव दिनांक 31 जुलाई, 1975 के अपराह्न से निवृत्त आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 19 अगस्त, 1975

सं० प्र०-1/1 (941)—स्थायी अधीक्षक तथा निरीक्षण निदेशालय, मद्रास में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री एस० वेकट राम दिनांक 31 जुलाई, 1975 के अपराह्न से निवृत्त आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

(प्रशासन शाखा-6)

दिनांक 8 अगस्त 1975

सं० ए०-17011/(53)/72-प्र०-6—स्थायी भंडार परीक्षक व पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के उत्तरी निरीक्षण मंडल के अधीन कानपुर में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) श्री जी० के० शुक्ल, दिनांक 30 जून, 1975 (अपराह्न) से निवृत्त आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 18 अगस्त 1975

सं० प्र०-6/247 (421)/63—स्थायी भंडार परीक्षक (वस्त्र) और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) श्री एन० एम० दाते दिनांक 31 जुलाई 1975 (अपराह्न) से निवृत्त आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

के० एल० कोहली

उप-निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

गृहि-पत्र

कलकत्ता-13, दिनांक 18 अगस्त 1975

सं० 2222 (एकेएम)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री अनिल कुमार माथुर के कार्यभार तिथि को, जो इस कार्यालय की सम संख्यक अधिसूचना दि० 26-5-1975 में उल्लिखित 30-1-1975 (पूर्वाह्न) के बजाय 20-1-1975 (पूर्वाह्न) लिखा जाए।

वी० के० एस० वरदन,
महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 16 अगस्त 1975

सं० गो-4986/पी० एफ० (एम० दसरथी)—अनुशासनिक कार्रवाई के फलस्वरूप श्री एम० दसरथी, अधिकारी सर्वेक्षक, सं० 34 पार्टी (प्रा० भा० सं०), भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद को परिनिन्दित किया जाता है।

हरी नारायण,
भारत के महासर्वेक्षक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग

(केन्द्रीय कार्यालय)

हावड़ा-711103, दिनांक 14 अगस्त 1975

सं० बी एस आई-66/64/75-इस्टे—प्रभारी निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग डा० आर० आर० राव द्वारा पूर्वी परिमण्डल, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग के द्वितीय श्रेणी बोटानिस्ट पद से दिए गए इस्तीफे को दिनांक 28 फरवरी 1975 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

डी० जी० मुखर्जी
वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी

भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-12, दिनांक 11 अगस्त 1975

सं० 6-65/64-स्थापना/9975—श्री एस० घोसाल, प्रधान पुस्तकाध्यक्ष (राजपत्रित द्वितीय श्रेणी), भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग से 31 जुलाई 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए।

डा० स० खेरा
उप-निदेशक प्रभारी

श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 13 सितम्बर 1975

सं० 23-3-75-सी० पी० आई० सितम्बर जुलाई, 1975 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य-सूचकांक (आधार वर्ष 1960-100) जून, 1975 के स्तर से चार अंक घटकर 324 (तीन सौ चौबीस) रहा। जुलाई, 1975 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 394 (तीन सौ चौरान्च) आता है।

आन्व्य स्वरूप भारद्वाज

कृते संयुक्त निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1975

सं० 4/70/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री अहमद जलील को 21 जुलाई, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, बम्बई में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(96)/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा कुमारी सुरैया बेगम को 7 जून, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, विदेश सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4/106/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री डी० वी० महेश्वरी को 2 अगस्त, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, भुज में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(127)/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एन० के० शर्मा को 22 जुलाई, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, रामपुर में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5/132/67-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री जी० सी० शुक्लवैद्य, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, अगरतला को 18 जुलाई, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, सिलचर में तदर्थ आधार पर अस्थायी पदक्षमता में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल

प्रशासन उप-निदेशक

कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और वृष्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1975

सं० 9/53/61-स्था०-I—इस निदेशालय में तकनीकी सहायक (मुद्रण प्रचार) श्री एम० एल० मुखर्जी को 17 मार्च 1975 से 19 जुलाई 1975 तक स्थानापन्न सहायक प्रोडक्शन मैनेजर (मुद्रण प्रचार) नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति श्री आर० एच० अनोट की अवकाश रिक्ति शृंखला में श्री आर० जे० चन्द्रभान सिंह के स्थान पर की गई है।

दिनांक 18 अगस्त 1975

सं० 46-ए/स्थापना-I—श्री जे० एम० डे, चित्रकी इस निदेशालय में 28 अप्रैल, 1975 से वरिष्ठ कलाकार के पद पर

पुनः नियुक्ति की गई थी ने 3 जून, 1975 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

आर० एल० जैन

उप-निदेशक (प्रशासन)

कृते विज्ञापन और वृष्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० 12-21/74-एडमिन०-1—अधिवार्षिकी वय की प्राप्ति पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री पी० आर० गुप्त 31 जुलाई, 1975 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गये।

दिनांक 13 अगस्त 1975

सं० 17-24/74-एडमिन०-1—राष्ट्रपति ने, डा० एस० सी० श्रीवास्तव को 28 अगस्त 1973 से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में जीव रसायनज्ञ के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 14 अगस्त 1975

सं० 6-8/70-एडमिन०-1—केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी श्री प्रकाश सिंह की 22 जुलाई, 1975 को मृत्यु हो जाने की भारत सरकार बड़े दुख के साथ घोषणा करती है।

सं० 36-4/72-एडमिन०-1—श्री आर० एन० नाग ने 17 अप्रैल, 1975 के पूर्वाह्न को ब्रिगिडन अस्पताल एवं उपचर्या गृह, नई दिल्ली से मनोविज्ञानिक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 16 अगस्त 1975

सं० 19-24/69-एडमिन०-1 (भाग-2)—भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन पर डा० पी० ब्रम्हा नन्दा राव ने 14 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में भौतिक शास्त्र में प्रवाचक (रीडर इन फिजिक्स) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 18 अगस्त 1975

सं० 7-1/75-एडमिन०-1—केन्द्रीय कुष्ठ शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चिगलपट्ट में प्रशासन अधिकारी श्री बी० के० वर्देचारी की 31 मई 1975 को मृत्यु हो जाने की भारत सरकार बड़े दुख के साथ घोषणा करती है।

दिनांक 19 अगस्त 1975

सं० 28-8/74-एडमिन०-1—राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में अनुसंधान अधिकारी श्री एस० पी० श्रीवास्तव को 19 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से 5 अक्टूबर, 1975 तक श्री बी० एस० कृष्णामूर्ति के छुट्टी पर जाने के कारण उनके स्थान पर क्षेत्रीय सं० सं० राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, बड़ौदा में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

क्षेत्रीय सं० सं० राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, बड़ौदा में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर अपनी नियुक्ति

के फलस्वरूप श्री एस० पी० श्रीवास्तव ने 16 जुलाई 1975 के अपराह्न को राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान दिल्ली में अनुसंधान अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 11 अगस्त 1975

सं० 20/1(32)/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती सैयदा फातिमा को 31 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर तथा आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली में यूनानी चिकित्सक के पद पर नियुक्त किया है।

जी० पंचापकेशन,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय
(कृषि विभाग)
(विस्तार निदेशालय)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 अगस्त 1975

सं० एफ० 2(11)/71-स्थापन(1)—श्री प्रीतम चन्द चौधरी सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (कोटि द्वितीय) की रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 11 अगस्त 1975 से अगले आदेशों तक कृषि तथा सिंचाई मंत्रालय विस्तार निदेशालय (कृषि विभाग) में सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (कोटि प्रथम) के पद पर स्थानापन्न तदर्थ रूप से पदोन्नति कर दी गई है।

निर्मल कुमार दत्त,
प्रशासन निदेशक

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय
(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद (हरियाणा), दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० फा० 4-6(91)/75-प्र० फरी०-I:—संच लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार कुमारी शशी लता अरोड़ा को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन नई दिल्ली में दिनांक 30 जून 1975 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी वर्ग-द्वितीय नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधर राव,
कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 28 जुलाई 1975

सं० पी० ए०/81(62)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री विलास गोविन्द गावर्कर को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 मई 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकुण्णन,
उप स्थापना अधिकारी (भरती)

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 28 जुलाई 1975

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/75-स्थापना/1550/951—इस निदेशालय की दिनांक 12 जून 1975 की अधिसूचना सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/75-स्थापना के अनुक्रम में क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक मुख्य लेखा कार्यालय, गुजरात के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री बी० आर० नटराजन को, जो इस निदेशालय में प्रतिनियुक्त हैं, 1 जून 1975 से 31 जुलाई 1975 तक की और अवधि के लिए इसी निदेशालय में तदर्थ आधार पर अस्थायी सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 जुलाई 1975

सं० डी० पी० एस०/ए०/11013/4/74-स्थापना/959—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक क्रय एवं भंडार निदेशालय के स्थायी भंडारी तथा रु० 650-30-740-35-880-ई० बी०-960 (संशोधित) वेतनमान में स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी के पद पर नियुक्त श्री एम० वनर्जी को 1 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी निदेशालय में रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ,
प्रशासन अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 1 अगस्त 1975

सं० आर० आर० सी०-II-1(26)/72-15199/968—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक इस केन्द्र की दिनांक 31 मई 1975 की समसंख्यक/9982 अधिसूचना के अनुक्रम में इसी केन्द्र में श्री के० वेंकटकृष्णन सहायक प्रशासन-अधिकारी के स्थान पर श्री पोस्तापक्कम वेणुगोपालाचार्य सुन्दरराजन की सहायक प्रशासन-अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से की गई

नियुक्ति की अवधि को श्री के० वेंकटकृष्णन की छुट्टी की अवधि बढ़ा दी जाने पर 6 जुलाई 75 से 11 जुलाई 75 तक 6 दिन के लिए बढ़ाते हैं।

दिनांक 2 अगस्त 1975

सं० आर० आर० सी० -II-13(9)/74-15246/952—
रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक अस्थायी नक्शा-
नवीस "सी०" श्री सुरेश यशवंत जोशी को 1 अगस्त 1975 के
पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए उसी अनुसंधान केन्द्र में
अस्थायी विज्ञान-अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० नियुक्त
करते हैं।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन-अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 11 अगस्त 1975

सं० ई० (I) 03516—वेधशालाओं के उप-महानिदेशक
(उपकरण) नई दिल्ली के कार्यालय के सहायक मौसम विशेषज्ञ
श्री एन० मजूमदार 28 फरवरी 1975 के अपराह्न से निवर्तन की
आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० ई० (I) 03708—प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता
के निदेशक के कार्यालय के स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ
श्री एस० सी० कार निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 31 मार्च 1975
के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ई० (I) 03039—वेधशालाओं के उप-महानिदेशक
(उपकरण) नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एस० एस० सिन्हा
स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निवर्तन की आयु पर पहुंचने
पर 30 जून 1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त
हो गये।

सं० ई० (I) 04224—वेधशालाओं के महानिदेशक
प्रादेशिक मौसम केन्द्र बम्बई के निदेशक के अधीन मौसम केन्द्र
अहमदाबाद के व्यावसायिक सहायक श्री एस० एन० सेन को
23 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से 18 अक्टूबर 1975 तक अठासी
दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ
नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० एन० सेन
प्रादेशिक मौसम केन्द्र बम्बई के निदेशक के अधीन मौसम
केन्द्र अहमदाबाद में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 14 अगस्त 1975

सं० ई० (I) 03612—वेधशालाओं के महानिदेशक के
मुख्य कार्यालय नई दिल्ली के श्री रामशरण दास स्थानापन्न
सहायक मौसम विशेषज्ञ निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 30 जून
1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 16 अगस्त 1975

सं० ई० (I) 04236—प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता
के निदेशक के कार्यालय के स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ
श्री डी० सी० दत्ता निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 31-1-
1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ई० (I) 03392—वेधशालाओं के उप-महानिदेशक
(उपकरण) नई दिल्ली के कार्यालय के स्थानापन्न सहायक मौसम
विशेषज्ञ श्री एस० एन० ओस निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर
30 अप्रैल 1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ई० (I) 03613—प्रादेशिक मौसम केन्द्र मद्रास के
निदेशक के कार्यालय के सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री के० के०
नटराजन निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 30 जून 1975 के
अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सं० ई० (I) 04207—वेधशालाओं के महानिदेशक
प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय के
व्यावसायिक सहायक श्री जे० नन्दी को 15 जुलाई, 1975
के पूर्वाह्न से अठतालीस दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न
रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री जे० नन्दी
प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मनियन
मौसम विशेषज्ञ
वेधशालाओं के महानिदेशक

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 11 अगस्त 1975

सं० ए० 32013/12/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री
ए० रामानाथन, तकनीकी अधिकारी की नागर विमान विभाग
में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ पदोन्नति की
अवधि 30 अप्रैल, 1975 तक या पद के नियमित आधार
पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है।

सं० ए० 32013/5/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-
लिखित 5 संचार अधिकारियों को, जो तदर्थ आधार पर
वरिष्ठ संचार अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं
31 मार्च, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक,
नागर विमानन विभाग में नियमित आधार पर वरिष्ठ संचार
अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

1. श्री किशु टेकचंदानी
2. श्री वी० के० कालड़ा
3. श्री सी० एस० गोस्वामी
4. श्री आर० पी० शर्मा
5. श्री एल० आर० गर्ग।

दिनांक 18 अगस्त 1975

सं० ए०-32013/3/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित 12 तकनीकी अधिकारियों को, जो तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं, 31 मार्च, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में नियमित आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

1. श्री पी० एल० मौदगिल
2. श्री एस० एस० कुण्णन
3. श्री एस० के० दाम
4. श्री ए० एन० नाथ
5. श्री बी० एस० ग्रेवाल
6. श्री सी० आर० नरसिंहम
7. श्री बी० आर० चतुर्वेदी
8. श्री ओ० सी० अलक्जेंडर
9. श्री जे० के० भट्टाचार्य
10. श्री सी० बी० बेकटेशन
11. श्री पी० एम० पुष्टा
12. श्री एम० बी० आयर।

हरबंस लाल कोहली,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1975

सं० ए०-32013/2/75-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री जे० एस० चौधरी, नियंत्रक विमान क्षेत्र, दिल्ली क्षेत्र, को 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर निदेशक विमान मार्ग और विमान क्षेत्र (योजना) के पद पर नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1975

सं० ए० 12034/4/75-ई० ए०—श्री बी० के० टुम्मी, क्षेत्रीय नियंत्रक विमान क्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर 31 जुलाई, 1975 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए० 32013/2/74-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित विमान क्षेत्र अधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश होने तक रु० 1100-50-2-236GI/75

1600 के वेतनमान में वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	तारीख	स्टेशन
1.	श्री पी० सी० व्यास	2-8-75	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
2.	श्री जी० ई० सैमुअल	8-8-75	मद्रास एयरपोर्ट
3.	श्री बी० जी० कर्नड	2-8-75	बम्बई एयरपोर्ट (अपराह्न)

सुरजीत लाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तलिय

इलाहाबाद, दिनांक 28 जुलाई 1975

सं० 64/1975—उपरोक्त पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय लखनऊ में अधीक्षक एम० ओ० आर० के पद पर तैनात श्री आर० सी० अवस्थी स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो ने दिनांक 30 जून, 1975 को दोपहर के बाद अधीक्षक एम० ओ० आर०, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, लखनऊ के कार्यालय का कार्यभार श्री ए० एम० के० वारसी अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो को सौंप दिया और वे उसी दिन और समय से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

एच० बी० दास,
समाहर्ता

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 5 अगस्त 1975

सं० 10/7 (160)/73-सि० इ० प्र० (एच०)—अन्तरिक्ष विभाग, सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता, अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्रीमती पी० के० नायर को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 28 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

पी० आई० यू० नम्बियार
प्रशासन अधिकारी
रु० मुख्य अभियन्ता

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380009, दिनांक 28 जुलाई 1975

सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-56/75—
निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष
उपयोग केन्द्र के सॉफ्टवेयर प्रणाली ग्रुप में श्री ए० राम चन्द्र
को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (कैमरामैन) के पद पर
रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40;
1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 650/-
प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 1 जुलाई, 1975 से 31
जुलाई, 1976 तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-56/75—
निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष
उपयोग केन्द्र सॉफ्टवेयर प्रणाली ग्रुप में श्री ए० ए० मन्सूरी
को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (प्रस्तुति उद्घोषक) के
पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-
40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु०
650 प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 7 जून, 1975 से
31 जुलाई, 1976 तक के लिए नियुक्त करते हैं।

(मेजर) आर० सी० समुअल (सेवा निवृत्त)
प्रशासन अधिकारी-II

भारतीय वैज्ञानिक उपग्रह परियोजना

पीनया-562140, दिनांक 5 अगस्त 1975

सं० 020/3 (061)/75—भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान
संगठन की दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से एक सरकारी निकाय के
रूप में बदल देने के परिणामस्वरूप, विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र
के निदेशक, निम्नलिखित कामियों को भारतीय वैज्ञानिक
उपग्रह परियोजना, बंगलूर में दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से
रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के
परिशोधित वेतनमान में, उनके नामों के सामने दिए गए
पदों पर नियुक्त करते हैं:

1. श्री ए० आर० श्रीवत्स . इंजीनियर एस० बी०
2. श्री एच० आर० नरसिम्हा कटारी —यथोपरि—
3. श्री एस० एस० चौहान —यथोपरि—
4. श्री एन० एस० साबली . —यथोपरि—
5. श्री एच० बी० रामास्वामी . —यथोपरि—
6. श्री पी० ए० कृष्णामूर्ति . सहायक क्रय अधिकारी

बी० बी० एस० चौधरी,
प्रशासन अधिकारी

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 11 अगस्त 1975

सं० क-19012/5/8/75-प्रशा० 5—विभागीय पदोन्नति
समिति (श्रेणी 2) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल
आयोग अपने प्रसाद से श्री पी० आर० बेलगल, अनुसंधान

सहायक को केन्द्रीय जल तथा विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पूना में
सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-भौतिक ग्रुप) के
ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-
880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 14
जुलाई, 1975 से आगे आदेश होने तक नियमित रूप से
स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

श्री पी० आर० बेलगल, 14 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्न)
से दो वर्ष की अवधि के लिए सहायक अनुसंधान अधिकारी
(भौतिक), केन्द्रीय जल तथा विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पूना के
के पद पर परिवीक्षाधीन रहेंगे।

दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० क-19012/192/70-प्रशा० 5 (खंड-2)—इस
आयोग की अधिसूचना सं० 14/656/70-प्रशा० 5, दिनांक
6 मार्च, 1970 का आंशिक रूप में परिवर्तन करते हुए
अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध)
(इस समय केन्द्रीय जल आयोग) अपने प्रसाद से श्री के०
एस० चावला, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग
(जल स्कंध) जो अब केन्द्रीय जल आयोग है, में स्थानापन्न
क्षमता में अप्रयोगात्मक रूप में अतिरिक्त सहायक निदेशक/
सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी)
के पदक्रम में 350-25-500-30-590-द० रो०-30-
800-द० रो०-30-830-35-900 रुपए (पूर्व संशोधित)
के वेतनमान में 4 मई, 1964 से तदर्थ रूप में नियुक्त
करते हैं।

श्री के० एस० चावला को उपर्युक्त तारीख से केन्द्रीय
जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध) में अतिरिक्त सहायक
निदेशक के पद का कार्यभार संभाले हुए समझा जाए।

सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5—इस आयोग की अधि-
सूचना सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5, दिनांक 30 मई,
1975 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद
से निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल तथा
विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी
(अभियांत्रिकी) के ग्रेड में स्थानापन्न होने के लिए रु०
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000
-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पुनः 1 जुलाई,
1975 से 27 अगस्त, 1975 (अपराह्न) तक की अवधि
के लिए अथवा जब तक पद नियमित रूप से भरे जाएं, जो
भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में नियुक्त
करते हैं:—

1. श्री बी० रामनाथन
2. श्री आई० जेड० पूनावाला
3. श्रीमती वाल्सला किष्काकेडथ अप्पुकुट्टन
4. श्री ए० जी० काले

सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5—इस आयोग की
अधिसूचना सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5, दिनांक 25
जून, 1975 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्-
द्वारा निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों (अभियांत्रिकी) को

केन्द्रीय जल तथा विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियान्तिकी) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पुनः 1 जुलाई, 1975 से 31 अगस्त, 1975 (अपराह्न) तक की अवधि के लिए अथवा जब तक पद नियमित रूप से भरे जाएं, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं :—

1. श्री चौ० भुजंग राव
2. श्री के० ए० इस्माइल
3. श्री डी० एम० खन्वेडे
4. श्री ए० जी० पन्सलकर
5. श्री के० एन० अप्पुकुट्टन
6. श्री एस० एन० मोने
7. श्री एम० एस० शितोले
8. श्री एस० गुहा

दिनांक 16 अगस्त 1975

सं० क-32012/7/74-प्रशा० 5—विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी-2) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को (जो वर्तमान में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियर) के रूप में सर्वथ रूप में स्थानापन्न क्षमता में कार्य कर रहे हैं) केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपए के वेतनमान में प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से आगे आदेश होने तक नियमित रूप में स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं :—

- | | |
|-----------------------------|-----------------|
| 1. श्री के० ए० इस्माइल | 11 अप्रैल, 1975 |
| 2. श्री डी० एम० खन्वेडे | 11 अप्रैल, 1975 |
| 3. श्री ए० जी० पन्सलकर | 11 अप्रैल, 1975 |
| 4. श्री के० एन० अप्पुकुट्टन | 11 अप्रैल, 1975 |
| 5. श्री एस० एन० मोने | 11 अप्रैल, 1975 |

2. उपर्युक्त अधिकारी ऊपर प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के संवर्ग में दो वर्ष के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

के० पी० बी० मेनन,

अवर सचिव

हुते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० 6/2/75-प्रशासन-दो—अध्यक्ष, केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण, निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी क्षेत्री-2 सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक सहायक अभियंता के ग्रेड में, उनके नामों के सामने दिखाई

गई तारीखों से, अन्य आदेश होने तक, एतद्वारा नियुक्त करते हैं :—

- | | |
|--------------------------|-------------------------------|
| 1. श्री एस० पी० निवसारकर | 8 जुलाई, 1975
(पूर्वाह्न) |
| 2. श्री एन० कोठान्डापानी | 8 जुलाई, 1975
(पूर्वाह्न) |
| 3. श्री रणवीर सिंह | 19 जुलाई, 1975
(पूर्वाह्न) |
| 4. श्री ए० के० आचार्य | 24 जुलाई, 1975
(पूर्वाह्न) |

जंगशेर सिंह, अवर सचिव
हुते अध्यक्ष

पूर्ति तथा पुनर्वसि मन्त्रालय

(पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 14 अगस्त 1975

सं० जी०-65/बी० (कान)—निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता ने उसी कार्यालय के वैतनिक सहायक (रसायन) श्री एस० सी० पर्वत को 30 जुलाई, 1975 पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है। यह नियोग 31 दिसम्बर, 1975 तक अथवा उस समय तक जब तक कि नियमित रूप में भर्ती न हो (उसमें जो पहले हो) रहेगा।

सं० जी०-65/बी० (कान)—निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता ने उसी कार्यालय के वैज्ञानिक सहायक (विद्युत्) श्री पी० सी० प्रधान को 25 जुलाई, 1975 पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (विद्युत्) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है। यह नियोग 31 दिसम्बर 1975 तक अथवा उस समय तक जब तक कि नियमित रूप में भर्ती न हो (उसमें जो पहले हो) रहेगा।

एस० के० चट्टोपाध्याय,

सहायक निदेशक (प्रशासन)

हुते निदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और बानी प्रैस, प्राईवेट

लिमिटेड के विषय में

शिलांग, दिनांक 8 अगस्त 1975

सं० 296/560/184—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बानी प्रैस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० पी० वशिष्ठ,

कम्पनियों के रजिस्ट्रार

असम, मेघालय, मणीपुर, त्रिपुरा, नागालैण्ड,

अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, शिलांग

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स विसनगर कामशियल एण्ड फाइनान्शियल कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1975

सं० 560/1828—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स विसनगर कामशियल एण्ड फाइनान्शियल कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स कावन्पारे कामशियल कोरपोरेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 16 अगस्त 1975

सं०/560/1129—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स कावन्पारे कामशियल कोरपोरेशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जे० गो० गाथा,
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य
अहमदाबाद

अधोलिखित स्थानों में जहाँ अधिकरण के न्याय पीठ स्थित हैं, दे सकता है :—

1. अहमदाबाद
2. बम्बई
3. नागपुर
4. इलाहाबाद
5. अमृतसर
6. चण्डीगढ़
7. दिल्ली
8. इन्दौर
9. जबलपुर
10. जयपुर
11. पटना

अपील अधिकरण के आदेश से

चन्द्रकान्त दवे

रजिस्ट्रार

आयकर अपील अधिकरण, बम्बई

(आयकर अपील अधिकरण) नियम, 1963

बम्बई, दिनांक 5 मई 1975

सं० एफ० 71-ए० डी० (ए० टी०)/74—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 255 उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपील अधिकरण, आयकर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए, एतद्वारा अधोलिखित नियम बनाता है :—

1. ये नियम आयकर (अपील अधिकरण) संशोधन नियम, 1975 कहे जाएंगे;
2. आयकर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 में नियम 5-ए के बाद अधोलिखित नियम जोड़ा जाएगा :—
“5-बी—प्रक्रिया और आदेशों में हिन्दी का प्रयोग

इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी अधिकरण स्वविवेकानुसार, वैसे राज्यों में जिसके संबंध में अध्याक्ष, समय समय पर इस प्रयोजन के लिए जैसा अधिसूचित करें, अपनी प्रक्रिया में हिन्दी के प्रयोग की अनुज्ञा दे सकता है या हिन्दी में आदेश पारित कर सकता है?

परन्तु यह तब जबकि आदेश हिन्दी में पारित किया गया है तो वह उसके एक अधिकृत अंग्रेजी अनुवाद के साथ होगा।

अपील अधिकरण के आदेश से

चन्द्रकान्त दवे

रजिस्ट्रार

आयकर अपील अधिकरण, बम्बई

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नटन इन्जीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 7 अगस्त 1975

सं० ए०-233/75-1212/625—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नटन इन्जीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

(ह०) अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
उड़ीसा।

आयकर अपील अधिकरण

बम्बई, दिनांक 5 मई 1975

सं० एफ० 71-ए० डी० (ए० टी०)/74—आयकर (अपील अधिकरण) संशोधन नियम, 1975 के नियम 5-बी के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 255 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अध्याक्ष, आयकर अपील अधिकरण एतद्वारा अधिसूचित करते हैं कि अधिकरण स्वविवेकानुसार अपनी प्रक्रिया में हिन्दी के प्रयोग या हिन्दी में आदेश पारित करने की अनुज्ञा, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार राज्यों तथा चण्डीगढ़ और दिल्ली के संघशासित क्षेत्रों

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 अगस्त 1975

निदेश सं० एसी-7/अर्जन/आर-V कैल/75-76--यतः मुझे,
एस० एस० इमानदार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 3 है तथा जो कनाल ईस्ट रोड, कलकत्ता में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-12-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देन के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए :—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स कोटस ग्रॉफ इंडिया लिमिटेड (अन्तरक)
2. श्रीमती लक्ष्मी देवी सरावगी (2) श्री श्रीम प्रकाश
सरावगी (3) प्रहलाद भगतपसारी (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3 कनाल ईस्ट रोड, कलकत्ता स्थित 3 बीघा, 7 कट्टा, 6
छिटांक जमीन एवं बिल्डिंग और गोडोउन, डीड नं० I-1-7168
ता० 7-12-74

एस० एस० इमानदार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-V,

54, रफी अहमद क़िदवई रोड, कलकत्ता-16।

दिनांक : 19-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त 1975

निदेश सं० 272/एकुरेIII/ 75-76/-कल--अतः, मुझे,
एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 2/3 है तथा जो एलगिन रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर सदर 24 परगना, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ती रानी चटर्जी 10 वि भवनाथ सेन स्ट्रीट, चित्तपुर, 24 परगना । (अन्तरक)

2. श्री सनत कुमार दत्त 2/3 एलगिन रोड, कलकत्ता । (अन्तरिती)

4. श्रीमती जयश्री बोस स्वामी श्री सुजित बोस ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आवेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 4 कट्टा 11 छटाक 10 स्को० फुट जमिन साथ उस पर बनाया मकान का 3/4 हिस्सा जो 2/3 एलगिन रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और जो सब-रजिस्ट्रार, अलिपुर सदर, 24 परगना द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 6575/1674 के अनुसार है ।

एल० के० बालसुब्रमनियन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III

54, रफी अहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16 ।

तारीख : 14-7-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- II

54 रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता दिनांक 18-8-75

निदेश सं० ए०सि० 24/आर-11/कलकत्ता/75-76:—अतः
मझे, आर० वि० लालमोया सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० दाग सं० 30 और 31 है तथा जो मौजा और थाना
बेहाला, 24 परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
रजिस्ट्रार आफ एवरेन्स कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-12-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री वैद्यनाथ चटोपाध्याय, 18 आर्चाय प्रफुल्ल चन्द्र
रोड, कलकत्ता। (अन्तरक)

2. जे० बी० ए० प्रिन्टिंग इन्कस (प्राइवेट) लिमिटेड
पि० 12/3 तारतल्ला रोड, कलकत्ता-53 (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
दिया गया है।

अनुसूची

जिला 24 परगना, मौजा और थाना बेहाला, परगना
बलिया में दाग सं० 30 और 31, खतियान सं० 184, जे० एल०
सं० 2, आर० एस० सं० 83, तौजी सं० 246 का जमीन जिसका
क्षेत्रफल 13, कट्ठा, 14 चिट्टाक और 35 वर्ग फुट है।

आर० वि० लालमोया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,
54, रफी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16।

तारीख : 18-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 18 अगस्त 1975

निर्देश सं० ए० सी० 25/आर०-II/कलकत्ता/75-76—
अतः, मुझे, आर० वी० लालमोया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी दाग सं० 18 और 19 है तथा जो मौजा और
थाना बेहला, 24 परगना स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रजिस्ट्रार आफ एशुरेन्स, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-12-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विश्वनाथ चट्टोपाध्याय, 18, आचार्य प्रफुल्ला चन्द्र
रोड, कलकत्ता। (अन्तरक)

2. जे० बी० ए० प्रिन्टिंग इन्क्स प्राईवेट लिमिटेड, पी०-
12/3, तारतल्ला रोड, कलकत्ता-53। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जिला 24, परगना, मौजा और थाना-बेहला, परगना-बलिया में
दाग सं० 18 और 19, खतियान सं० 181 और 192, जे० एल०
सं० 2, आर० एस० सं० 83, तौजी सं० 346, का जमीन जिसका
क्षेत्रफल 17, कट्ठास, 6 चिट्ठाक और 18 वर्ग फुट है।

आर० वी० लालमोया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

54, रफीग्रहमद किदवई रोड,

कलकत्ता-16।

तारीख : 18-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 18 अगस्त 1975

निर्देश सं० ए० सी०-26/आर०-II/कलकत्ता/75-76—

अतः, मुझे, आर० बी० लालमोया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० दाग सं० 24, से 27, 28 (उत्तर पश्चिम भाग)
29 और 32 है तथा जो मौजा और थाना बेहाला, 24 परगना में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 23-12-1974 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे,
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—236GI/75

1. श्रीमती पुष्पालता चट्टोपाध्याय, 18, आचार्य प्रफुल्ला
चन्द्र रोड, कलकत्ता। (अन्तरक)

2. जे० बी० ए० प्रिन्टिंग इन्क्स प्राईवेट लिमिटेड, पी-22/3,
तारतल्ला रोड, कलकत्ता-53। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जिला 24 परगना-परगना बलिया, मौजा और थाना बेहाला
में दाग सं० 24 से 27, 28 (उत्तर पश्चिम भाग) 29 और 32,
जे० एल० सं० 2, आर एस० सं० 83, तौजी सं० 346 का जमीन
जिसका क्षेत्रफल 29 कट्ठास, 8 चिट्ठाक और 44 वर्ग फुट है।

आर० बी० लालमोया

-सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

54, रफी अहमद क़िदवई रोड,

कलकत्ता-16।

तारीख : 18-8-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 20 अगस्त, 1975

निर्देश सं० सी० ए०/5डिसेंबर/74/हवेली II (पूना)
225/75-76—यतः मुझे एच० एस० श्रीलख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० आर०एस० क्रमांक 220/1 (पार्ट) सी०टी०
एस० क्रमांक 2113 बी है तथा जो येखड़ा (पूना) में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली II (पूना) में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
12-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री कैप्टन शोराब रस्तुमजी, 6 बरनेट रास्ता, पूना।
(अन्तरक)

2. श्री कर्नल सोहराब केखशू पदमजी, श्रीमती तेहमी
सोहराब पदमजी, 220/1, नगर रोड, पूना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

श्री होल्ड जमीन आर० एस० क्रमांक 220/1 (पार्ट) येखड़ा
(पूना) सी० टी० एस० क्रमांक 2113 बी० येखड़ा पूना, जमीन
का क्षेत्रफल 4047 वर्गमीटर्स, प्रापटी कार्ड के अनुसार बिल्ट अप
क्षेत्रफल 4982 वर्ग फीट। एक इमले कि 1968, 1969 में बांधी
हुयी बिल्डिंग 1974 में तीन कमरे का अक्स्टेशन

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख क्रमांक 2806 डिसेंबर 74
में सब रजिस्ट्रार हवेली II के दफतर में लिखा है।)

एच० एस० श्रीलख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना।

तारीख: 20-8-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली

दिल्ली-1, दिनांक 18-8-75

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ एक्यू०/11/853/75-76/
2985—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० सी-36 है जो आदर्श नगर, दिल्ली-33 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19-2-75 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति एम० सिन्हा, पत्नी श्री बी० एन० सिन्हा निवासी
मकान नं० 3364 क्रिसीएन कालौनी करोल बाद, नई दिल्ली
द्वारा श्री के०के० अग्रवाल निवासी एच3/5, माडल टाउन,
दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमति नागीन सुन्दरी जैन, सुपुत्री श्री मोती राम जैन,
पत्नी श्री एन० एल० जैन, निवासी सी-36, बंगलौ रोड़, आदर्श
नगर दिल्ली-33 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन का फ्री होल्ड प्लॉट जिसका नं० सी-36 है तथा क्षेत्रफल
400 वर्ग गज है तथा जो कि बंगलौ रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली-33
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्वः गली
पश्चिम प्लॉट नं० 37
उत्तर सड़क
दक्षिण बंगलौ रोड़

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

दिनांक 18 अगस्त, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

अहमदाबाद, दिनांक 23-8-75

निर्देश सं० ए सी क्यू- 23-1-40(311)/11-6/74-75

यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 350 (का हिस्सा) वार्ड नं० 10, घर नं० 54-ए, है जो, मालका रोड़, बेरावल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेरावल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ब्रजलाल तुलसीदास सोनी, जुवेलर्स आपारटमेंट्स, ब्लॉक नं० 107, 56 पेडर रोड़, बम्बई, 26

(2) श्री सुभाष काशीराम, चौधरी 'स्काई स्क्वेयर' 'बी' बिल्डिंग, ब्लॉक नं० 1, चौथी मंजिल भूला भाई रोड़, बम्बई, 26 (अन्तरक)

(2) मैसर्स किटमाणी आईस एन्ड कोल्ड स्टोरेज, की ओर से (i) श्री गुसताद रशीद किरमाणी,

(ii) श्री मोतीभाई रशीद दुरानी, दोनों के रहने का पत्ता :— 'किरमाणी' 9 कैलुस्कर, रोड़, बम्बई, 28 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1858 वर्ग मीटर भूमि पर स्थित है और जिसका सर्वे नं० 350 (का हिस्सा) है और जो वार्ड, नं० 10 है और जिसका घर नं० 54-ए, है और जो मालका रोड़, बेरावल में स्थित है और जिसकी हस्तान्तरण मशीनरी के साथ हुआ है तथा जिसका पूर्ण विवरण बिश्री दस्तावेज में दिया गया है ।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 23-8-75

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 अगस्त 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 102/75-76—यतः मुखे,
के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 7-8-705, भाग, गांधी गंज है, जो निजामाबाद
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
30-1-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

सर्वे श्री

1. (1) चेन्दूर लेक्चरर्या
 - (2) चेन्दूर राजेश्वर
 - (3) चेन्दूर बालम्मा पत्नी दम्पत्या
 - (4) कापती गंगम्मा पत्नी गंगय्या
 - (5) चेन्दूर जगदम्बा, पत्नी चे० सुदर्शन,
 - (6) चेन्दूर विजय लक्ष्मी, पत्नी चे० रघूनाथ
 - (7) चेन्दूर प्रकाश पुत्र सुदर्शन
 - (8) चेन्दूर बिदोद पुत्र सुदर्शन
 - (9) चेन्दूर धर्मेन्दर
 - (10) बी० भाग्य लक्ष्मी पत्नी लिगामूर्ती (अन्तरक)
- निजामाबाद, आंध्र प्रदेश

2. श्री कंकाटी सत्यम्मा पत्नी चिन्ना लिगोंजी, निजामाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 7-8-705 का पिछला भाग जो गांधी गंज, निजामाबाद
में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 19-8-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 अगस्त 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 104/75-76—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 21-2-78, 77/9, 95/1 पत्रघटी है जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) डाक्टर राघेश्याम अग्रवाल पिता श्री किशन अग्रवाल फिलखाना, हैदराबाद (अन्तरक)
(2) श्रीमती श्रीना देवी पत्नी बालकिशन गुप्ता पत्रघटी, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति : बिल्डिंग नं० 21-2-78, 21-2-77/9 और 2-2-95/1 पत्रघटी गुलजार हाउस, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 19-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 अगस्त 1975

सं० आर०. ए० सी० 103/76-76-यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7-8-705 गांधी गंज है जो निजामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निजामाबाद में भारतीय अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीति:—

1. सर्वश्री श्रीमती

- (1) चेन्नूर लच्चय्या
- (2) चेन्नूर राजेश्वर
- (3) चेन्नूर बालम्मा पत्नी दम्भय्या
- (4) कापती गंगला पत्नी गंगय्या
- (5) चे० जगदम्मा पत्नी चो० सुदर्शन
- (6) पी० विजय लक्ष्मी पत्नी रघूनाथ
- (7) चे० प्रकाश
- (8) चे० विनीद पुत्र सुदर्शन
- (9) चे० धर्मेन्दर पुत्र सुदर्शन
- (10) बी० भाग्य लक्ष्मी पत्नी लिगामूर्ती

निजामाबाद
(आन्ध्र प्रदेश)

(अन्तरक)

2. श्री कंकाटी चिन्ना लिगोजी पुत्र रामजीलिगोजी गांधी गंज,
निजामाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 7-8-705 का सामने का भाग जो गांधीगंज, निजामाबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक: 19-8-1085
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए०सी०क्यू० 23-I-586 (209)/5-1/75-76-
यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 1560 और वार्ड नं० 1, (पानवाडी),
प्लॉट नं० 30 तथा 37 है, जो तलावडी रोड, भावनगर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
16-1-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामइंजीनियरिंग वर्क्स की ओर से :—

- (1) श्री रमणीक लाल मनोरदास,
- (2) श्रीमति चंद्रीका बी० मेहता,
- (3) श्रीमति चारु एम० मेहता,
- (4) श्री बिपिन एम० मेहता,

वडवा तलावडी, भावनगर

(अन्तरक)

(2) धनश्याम टेक्सटाईल मैनुफैक्चरिंग कं० की ओर से :—

- (1) श्रीमति शातावेन कांजीभाई
- (2) श्री रतीलाल कांजी भाई,
- (3) श्री भीमजी भाई, कांजी भाई,
- (4) श्री लालजी भाई, कांजीभाई,
- (5) श्री जयंतीलाल कांजीभाई,

वडवा तलावडी भावनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फैक्ट्री बिल्डिंग जो 777.77 वर्ग गज भूमि पर स्थित
है और जिसका सर्वे नं० 1558 तथा 1560 है और जो वार्ड
नं० 1 (पानवाडी) प्लॉट नं० 30 तथा 37, वडवा तलावडी रोड
भावनगर पर स्थित है, तथा जिस का पूर्ण विवरण बिक्री दस्तावेज
में दिया गया है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

दिनांक 19-8-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अगस्त 1975

सं० आर० ए० सी० 101/75-76:—यत्, मुझे, के०
एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 16-8-533 न्युमलकपेट है जो, हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-1-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिये था, छिपने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-236G1/75

1. स्वर्गीय ईपिते काबुलहक पिता हिकराम हसन ने
16-8-536 न्युमलकपेट हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती जयाकुमारी ईशराहित सैयदानी अकबर म० नं०
16-8-533 न्यु मलकपेट हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त व्यक्तियों के अर्जन के लिए
कार्यवाहिनी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति घर नं० 16-8-533 न्यु मलकपेट के पास हैदराबाद

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख:— 18-8-75

मोहर:—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. मोरेश्वर एन० कीर्तिकर (अन्तरक)
2. दिनकर विनायक चिटनिस (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 जुलाई 1975

निर्देश सं० अ० इ० 5/233/74-75 अतः सुले जे० एम० मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 237 (अंश) और नं० 616 (अंश) है जो मुलुंड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बान्दे पंजीकरण उपजिले के अंतर्गत बम्बई उपनगर जिले के कुर्ला तालुके में मुलुंड में अवस्थित एवं यथास्थित पवह समुचा भूभाग अथवा भूखंड जिस की पेमाईश 8731 वर्ग गज (7299.12 वर्ग मीटर) अथवा उसके आसपास है तथा जो एस० नं० 237 (पार्ट पगर सर्वेक्षण संख्या 616 (अंश) है और जो नीचे लिखी सीमाओं से घिरा है :—

पूर्व में एल० बी० एस० मार्ग (पूरानी बम्बई आग्रा सड़क द्वारा पश्चिम में सर्वेक्षण सं० 247 वाली भूमि से उत्तर में ई० एस० आय एस० अस्पताल से और दक्षिण में नगर सर्वेक्षण सं० 571, 614 और 615 वाली सरकारी भूमि से जो सिंधी कालोनी के अधिकार में है।

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई।

तारीख : 26-7-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज शिलोंग

शिलोंग, दिनांक 1 अगस्त 1975

निर्देश सं० ए 108/75-76/ गौ/1603-11---अतः
मुझे एगवर्ट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० दाग नं० 138 के के० पी० नं० 1 है तथा जो दिसपुर,
बेलतोलों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 9-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बोरा कान्त सजुली पान बाजार गौहाटी (अन्तरक)

2. श्री सत्यनारायन बुद्धिया केर आक ट्रेड सेन्टर, टोको
वारी, गौहाटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूधा

जमीन के माप 2 कांता, 10 लेचा जो कि दाग नं० 138 के
के० पी० नं० 1 में पड़ी है और यह गाँव दिसपुर मोजा बेलटोला,
कामरूप जिला आसाम प्रदेश में स्थित है।

एगवर्ट सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलोंग।

तारीख : 1-8-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 जुलाई 1975

निर्देश सं० राज सं० आयु० अर्जन/251 अतः मुझे बी० पी० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ए० एम० सी० 430/11 है तथा जो अजमेर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15 जनवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्माः—

(1) श्री तारन नाथ टण्डन एडवोकेट पुत्र श्री वृजनाथ टण्डन नि० अजमेर हाल आबाद जयपुर (अन्तरक)

(3) गुजराती महा मण्डल हाथी भाटा अजमेर जरिये अध्यक्ष डा० नवीनचन्द देसाई और श्री नारायण भाई कचरा भाई चौधरी मंत्री, अजमेर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुराना विशम्भर निवास कचहरी रोड़, (महात्मा गांधी रोड़) स्थित बनी हुई सम्पत्ति जिसका कि म्यूनिसिपल नम्बर ए० एम० सी० 430/11 है। प्लॉट का क्षेत्रफल 3973 वर्गगज है।

बी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जयपुर

तारीख : 25-8-75
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० आर० ए० सी० 51/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 12-2-825/826 मेहदी पट्टनम् है, जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा, 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री सेहरा फातीमार हैदर, वसीयतदार द्वारा टोली
चौकी, हैदराबाद हाक काट्टीम एम्० फारूख 7-4-2
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सय्यद सईफुद्दीन असलम् पुत्र सय्यद गुलाम
मोयुद्दीन अवस्यक पासक पिता के द्वारा 11-3-745 नई
मल्ले पल्ली हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

सं० 12-2-825 और 826 का दक्षिण-पश्चिमीय भाग
क्षेत्रफल 3738.75 वर्ग मीटर्स, मेहदीपट्टनम् हैदराबाद,
तथा बायां रास्ता जो निर्भावं है ।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 9-7-1975
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० आर० ए० सी० 52/75-76—यतः मुझे के० एस०
बेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० 12-2-825/826 मेहदी पट्टनम् है, जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-
1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सेहरा फातीमा हैदर, वसीयतदार द्वारा
डाक काहीम एम्० फारूख 9-4-2, टोली चौक, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री सय्यद मेहबूब मोयुद्दीन पुत्र सय्यद पाशा मियां,
पेड़ा पल्ली, करीमनगर जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

उत्तर-पूर्वीय का भाग नं० 12-2-825/826 क्षेत्रफल
2708.25 वर्ग मीटर्स, मेहदी पट्टनम् हैदराबाद स्थित है।

के० एस० बेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० आर० ए० सी० 70/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22 से 44 एविड रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स और रियल एस्टेट एजेन्ट्स एविड रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) 1. श्री एम० सितारामा मूर्तीराजू, 2. एम० सुन्दर विजय लक्ष्मी, 3. एम० वेंकट पदमनाभ राजू, 4. श्रीमती वेंकट नरसय्या, 5. जी० वेंकट रंगाराजू, 6. श्रीमती जी० लक्ष्मी नरसय्या, 7. जी० वेंकट रंगा सुब्बा राजू, 8. जी० वेंकट नरसिम्हा राजू—चिरकुमिलि मोजा भिमावरम तालूक पश्चिम गोदावरी जिला (अन्तरिती)

(3) श्री स्टेट बैंक आफ इन्डिया
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 22 से 44, पहला मन्जिला, एविड रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० आर० ए० सी० 50/75-76—यतः मुझे के० एस०
बेंकट रामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 12-2-825/826 मेहदी पट्टनम् है, जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

(1) श्रीमती महारा कातीमा वेगम, जी० पी० ए०
द्वारा हाक फाट्टम 9-4-2, टोली चौकी,
हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री मथ्यद गुलाम मोहमुद्दीन पेद्दा पल्ली, कसीमनगर
जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

टिप्पणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

नं० 12-2-825 तथा 826 का उत्तर-पूर्वीय का भाग,
जो मेहदी पट्टनम् हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० बेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-7-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं ए० सी० इयू० 23-1-491(202)/1-1/
75-76—यत मुझे जे० कयूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 516/2, टी० पी० एस० नं० 3 है, जो मादलपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रेमदास नारायण दास, 2 श्री गुरजरणाद नारायण दास, आश्रम रोड, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) नारायण एम्प्लोयेशन रजिस्टर्ड आफिस : केशवानी बिल्डिंग, मीरघावाड़, रीलिफ रोड, अहमदाबाद (अन्तरिती)

(3) श्रीमती लक्ष्मीबाई, नारायण दास साधुराम की पत्नी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह समस्त जमीन का टुकड़ा जो बंगला आऊट हाऊस, जगह और बाँछकाम के साथ है और जिसका क्षेत्रफल 1 एकड़ 17-3 गुंठा है। और जिसका फायनल प्लॉट नं० 516/2, टी० पी० एस० नं० 3 है और जो मादलपुर अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कयूरिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 11-7-1975]

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-501(203)/1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 393-1-1, एफ० पी० नं० 68, टी० पी० एस० नं० 10 है, जो रखीयाल, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जेठालाल वल्लभभाई भावसार, वचली गेरी, रायपुर, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) गणेश सहकारी औद्योगिक वसाहत लिमिटेड, चेरमेन : श्री चन्द्रकान्त कनैयालाल शाह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2775 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं० 393-1-1, एफ० पी० नं० 68, टी० पी० एस० नं० 10 है और जो रखीयाल अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 11-7-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 जुलाई 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/नासिक/जनवरी '75/216/
75-76—यतः, मुझे, एच्० एस्० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 816-अ है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती किरणबाई किसनलालजी सारडा नासिक-पूना रोड, नासिक (अन्तरक)

(2) श्रीमान बसन्तीरामजी सारडा चेरीटेबल ट्रस्ट, 'नंदिनी', नासिक-पूना रोड, नासिक (अन्तरिती)

(3) 1. मे० ब० ना० सारडा, 2. मे० ब० ना० सारडा प्रा० लि०, 3. मे० ब० ना० सारडा प्रा० लि०, सिनर विडी उद्योग लि०, 4. म० टो० एजन्सी, 5. ग० टो० एजन्सी, सबका पता 'नंदिनी', नासिक-पूना रोड, नासिक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाऊस प्रापर्टी सं० नं० 816-अ, म्यु० क० 23, स्टेशन रोड, नासिक।

क्षेत्रफल—9024 वर्ग मीटर (1/2 गेअर)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 24 जनवरी 1975 में सबरजिस्ट्रार, नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

एच्० एस्० श्रीलख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 18-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस्०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 जुलाई 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/नासिक/ जनवरी '75/217/
75-76-यतः, मुझे, एच्० एस्० श्रीलख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सं० नं० 816-1-ग्रे० है तथा जो नासिक में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नासिक
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 17-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिपि में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उन्हे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती कमलाबाई देवकिशनजी मारडा 'नंदिनी',
नासिक-पूना रोड, नासिक (अन्तरक)

(2) श्रीमान बस्तीरामजी सारडा चेंरीटेबल ट्रस्ट,
'नंदिनी', नासिक-पूना रोड, नासिक (अन्तरिती)

(3) 1. मे० ब० ना० सारडा 2. मे० ब० ना०
सारडा प्रा० लि०, 3. मे० ब० ना० सारडा प्रा० लि०,
सिवर जिडी उद्योग लि०, 4. मे० टी० एजन्सी, 5. ग० टी०
एजन्सी, सबका पता : 'नंदिनी', नासिक-पूना रोड, नासिक
(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाऊस प्रापर्टी सं० नं० 816-1-ग्रे०, म्यु० क्र० 23,
स्टेशन रोड, क्षेत्रफल 9024 वर्ग मीटर्स, नासिक।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 146, जनवरी,
1975 में सबरजिस्ट्रार, नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

एच्० एस्० श्रीलख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 18-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 69/75-76—यतः मुझे
के० एस० बेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 18-2-645 धूल पेट है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 9-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) 1. श्री एम० के० विठ्ठल राव पुत्र पेडा बालाया
15-2-645 किशन गंज, हैदराबाद, 2. कोल्लूर पुष्पा बेनी
पत्नी सत्यनारायना पुराना भोई गूडा, सिकन्दराबाद, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री बी० परमेश्वर कुमार पालक माता बी०
णकुन्तला, 14-10-1371, धूल पेट, अवस्थक हैदराबाद
(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सं० 15-2-645, क्षेत्रफल 155.49 वर्ग मीटर्स, किशन
गंज, हैदराबाद ।

के० एस० बेकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-7-1975
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 16 मई 1975

निर्देश सं० ए० 98/जे० आर० टी०/75-76/487-500

---अतः मुझे एगवर्ट सिंग,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नया पि० नं० 279 नया दाग नं० 1978 है तथा जो जोरहाट शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोरहाट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27/1/75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री मोहनलाल मालवानी, रात मैदान रोड,
जोरहाट (अन्तरक)

(2) 1. श्री आवे चन्द बजज, 2. श्री सत्यनारायन बजज, 3. श्री मोहन लाल बजज, 4. बाबूलाल बजज, श्री ब्रिज मोहन बजज केवर आफ मेसर्स बाबूलाल ब्रिज मोहन जोरहाट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन की माप लगभग 1200 (एक हजार दो सौ) वर्ग फीट पुराने नं० 1727 सौचा के अनुसार नया सौचा नं० 1978 पुराने पट्टे का नं० 499 और नया पट्टा नं० 279 जोरहाट सहर ब्लॉक नं० 6 के अनुसार पूरा दो मंजिला मकान सहित, सेनेटेरी ल्याट्रीन और दुसरे उपकरण उसी भवन के जिसमें ब्रिजली आदि भी सामिल हैं जो नगर मालिका घर नं० 264 (ए०) बार्ड नं० 5 (पुराना) जोरहाट सहर का, सिमाएं पश्चिम--सर्वजनिक सिमा दिवार प्रस्ताविक और अग्रति जमीन का विक्रयता अंस, पूरब-राज-मैदान सड़क, उत्तर-दुकान, जो अभि मेसर्स रामक्रिशन राधेश्याम के व्यापस्थाने हैं। दक्षिण दुकान जो अभि छगन लाल शंकरलाल के व्यावसाय मे हैं जिसका सर्वजनिक दिवार और बिक्रेटा का अंस।

एगवर्ट सिंग,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, शिलांग।

तारीख : 16-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 फरवरी 1975

निर्देश नं० 34-बी०/अर्जन---यतः, मुझे, विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम भूड में स्थित
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 24-1-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती परवीन रानी

(अन्तरक)

(2) श्री हृदय नारायण बेरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता भकान जो कि अभी बन रहा है और यह
500 वर्ग गज है जो कि ग्राम भूड, जिला बुलन्दशहर में
स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 49/75-76--अतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 12-2-825/826 मेहदीपट्टनम् है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती जेहरा फतीमा हैदर पत्नी स्वर्गीय मोहम्मद हैदर जी० पी० ए० द्वारा डा० फाहीम् एम्० फारूख 9-4-2 टोलीचीकी, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) 1. श्री सय्यद महबूब मोहयुद्दीन पुत्र सय्यद पाशा मियां 2. श्रीमती शाकीरा जहान बेगम पत्नी सय्यद महबूब मोहयुद्दीन, पोड्डा पल्ली करीमनगर जिला 3. सय्यद गुलाम मोहयुद्दीन पुत्र सय्यद पाशा मियां 4. श्रीमती मेहकबीसा बेगम पत्नी सय्यद गुलाम मोहयुद्दीन, नई मल्लेपल्ली, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किधे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नगर पालिका नं० 12-2-825/826 का भाग, जो मेहदीपट्टनम्, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 71/75-76—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-1-496 पुतलीबावली है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—236 GI/75

(1) श्री हरीकिशन सोनी पुत्र स्व० रामजीवन सोनी 14-2-332/1, ग्यान बाग कालनी, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती जी० अनसूया पत्नी जी० कृष्णा,
2. जी० के० नरसिमलू पुत्र जी० मल्लय्या 1-8-41/4/2 चिकडपल्ली, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि जो 303.11 वर्ग गज नं० 5-1-496 और 5-1-497 पर पुतलीबावली, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 9-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मालती जाल अरदेशी नवरोजी (अन्तरक)

(2) डी० सी० पटेल और अरदसं (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा**269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/230/1/74-75—यतः, मुझे, जे० एम० मेहरा, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 82 सी० टी० एस० नं० 428 (अंश) है, जो व्हिलेज देवनार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अमु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिला बम्बई उप-नगर और अभी बृहत्तर बम्बई में और रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा, जिला बम्बई नगर और उप-नगर के गांव देवनार (देवनारम् के नाम से ज्ञात) पहले तालुक कुरला में स्थित वह तमाम भूस्थल या भूखण्ड या भूभाग जो भूमि जिसका सर्वेक्षण नं० 82 और सी० टी० एस० नं० 428 (अंश) का भाग बनाता है माप में 999.37 वर्ग मीटर (अर्थात् 1195.22 वर्ग गज) और इस प्रकार बिरा हुआ है अर्थात् उत्तर की ओर से सर्वेक्षण नं० 82 और सी० टी० एस० नं० 427 (अंश) और 428 (अंश) की जमीन के बाकी बचे भाग द्वारा, दक्षिण की ओर से सर्वेक्षण नं० 82 की जमीन के बाकी बचे भाग द्वारा, पश्चिम की ओर से 44 फीट के रोड द्वारा और पूर्व की ओर से सर्वेक्षण नं० 82 की जमीन के बाकी बचे भाग द्वारा।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख: 31-7-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बाल किशन (अन्तरक)

(2) श्री जय गोपाल और अन्य (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 जुलाई 1975

निर्देश सं० 24-जे०/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 12 है तथा जो डाली बाग कोथी तिलक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० 12 जो कि 17665 वर्ग फिट है और यह डाली बाग कोथी तिलक, लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 29-7-1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 जुलाई 1975

निर्देश सं० 13-यू/अर्जन--यतः, मुझे, विशम्भर नाथ, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जो विवेकानन्द मार्ग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मनशा देवी (अन्तरक)

(2) श्री उमा शंकर बाजपाई (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० 1/ए (खसरा नं० 213 मी)
जो कि विवेकानन्द मार्ग, लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 28-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 जुलाई 1975

निर्देश सं० 59-आर०/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी-972 है तथा जो सेक्टर ए, महानगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री द्वारका नाथ टंडन (अन्तरक)

(2) श्रीमती कुवर रानी राजेश्वरी और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० बी-972 जो कि 16400 वर्ग फीट है और यह सेक्टर ए, महानगर, लखनऊ, में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 21-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 जुलाई 1975

निदेश सं० 58-आर०/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 15 है तथा जो ऐ० पी० सेन
रोड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 8-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री निर्मल चन्द्र (अन्तरक)

(2) श्री राकेश चन्द्र और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 15 जो कि ऐ० पी० सेन रोड
लखनऊ में स्थित है इस प्रकार है:

- (1) ग्राउण्ड फ्लोर 6121 वर्ग फिट
- (2) पहला फ्लोर 3304 वर्ग फिट
- (3) टिन शेड 736 वर्ग फिट

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 21-7-1975

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 जुलाई 1975

निदेश नं० 57-आर०/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी० 50 है तथा जो महानगर
एक्सटेंशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अर्थात् :—

(1) श्रीमती शीला वर्मा और अन्य (अन्तरक)

(2) श्री आर० एन० अरोरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० बी० 50 जो कि 9075 वर्ग
फिट है और यह ई० रोड महानगर एक्सटेंशन लखनऊ में
स्थित है ।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख : 29-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 20 अगस्त 1975

निदेश सं० डी० एल० आई०/69/74-75—अतः मुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाली प्लॉट नं० सी०-1/16 है तथा जो
माडल टाऊन, सैक्टर-11, फरीदाबाद में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री प्रधान अधिकारी, मै० डी० ग्रील ग्रैफ पूना ईस्ट, लिमिटेड, 40 ग्रैफ, कनाट प्लेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमति सुमित्रा देवी, 21-बाबर लेन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली प्लॉट नं० सी०-1/16 जो कि माडल टाऊन
सैक्टर-11, फरीदाबाद में स्थित है।

विवेक प्रकाश मिनोचा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 20-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 5 अगस्त 1975

निदेश सं० एल० डी० एन०/सी०/545/74-75—अतः

मुझे वी० पी० मिनोच, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/3 भाग कोठी नं० 464 है तथा जो
शाम सिंह रोड लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

7—236G1/75

(1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी
464, शाम सिंह रोड, लुधियाना (अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री गुरदित सिंह निवासी
570, गिल रोड लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग कोठी नं० 464 जो कि शाम सिंह रोड
लुधियाना पर स्थित है।

वी० पी० मिनोच,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 5-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 20 अगस्त 1975

निदेश सं० डी० एल० आई०/14/74-75—अतः मुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अजरौंदा कोल्ड स्टोरेज और आईस
फैक्टरी और उस के साथ की भूमि जो कि 18/1 मील
दिल्ली-मथुरा रोड, पर स्थित है। तथा जो गांव
अजरौंदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चमन शाह कपूर, सी०-4/8, वसंत विहार,
नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) प्रधान अधिकारी, म० अम० आर० खेमका,
एजेंसीज प्राईवेट लिमिटेड 349-ए०, चावडी बाजार दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अजरौंदा कोल्ड स्टोरेज और आईस फैक्टरी और उस
के साथ की भूमि जो कि 18/1 मील पर दिल्ली मथुरा
रोड के ऊपर गांव अजरौंदा (फरीदाबाद) में स्थित है।

(जैसे के रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 227, फरवरी
1975 में सब-रजिस्ट्रार दिल्ली के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 20-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 2 मई 1975

निर्देश सं० ए०-96/टि० एम० के०/75-76/374-83:--
अतः, मुझे, एगबर्ट सिंह,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० डाग सं० कि अंश 2064, पि० पि० सं० 114
है तथा जो तिनसुकिया टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय तिनसुकिया में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-2-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
गुणित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. तिनसुकिया डेवेलपमेंट कार्पोरेशन, तिनसुकिया ।
(अन्तरक)
2. मैसर्स इस्टर्न रोड कैरियर प्राइवेट लिमिटेड, तिनसुकिया,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन की माप 5093 स्क्वेयर फिट है जो डाग सं० अंश
2064, पि० पि० सं० 114 में घिरे हुए है और तिनसुकिया टाउन,
डिब्रुगढ़, जिला, आसाम प्रदेश में स्थित है।

एगबर्ट सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक : 2 मई, 1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निदेश सं० अर्जन/42/हाथरस/74-75/648:—अतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो किलाद्वार समीप सुरजीबाई बालिका विद्यालय हाथरस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, हाथरस में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सुरजीबाई बालिका विद्यालय, किला द्वार, हाथरस।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरजीबाई पुत्री सेठ टीका राम और पत्नी सेठ चन्द्रसेन नि० किलाद्वार, हाथरस।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

किलाद्वार, हाथरस में स्थित गृह सम्पत्ति जिसमें तीन कमरे, पांच छोटे कमरे, एक गैलरी तथा मिली ई खाली भूमि है, इसका हस्तान्तरण 40,000/- में किया गया है।

एफ० जे० बहादुर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1975

निदेश सं० 207/ए० सी० क्यू०-23-131/19-8/74-75:—

अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 16, हिस्सा नं० 2, पैकी है, तथा जो
कपादरा, ता० चौरासी, जिला, सूरत में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है: —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चरन सिंह किशन सिंह, 21, साधना सोसायटी,
बराछा रोड़, सूरत। (अन्तरक)

(2) मै० प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स, सूरत की ओर से
उसके सहयायी: चरन सिंह किशन सिंह, रसगीर सुखदेव सिंह, चरन-
सिंह, सगीर सुखबीन्दर सिंह, चरन सिंह, चुनिलाल हरजीवनदास
पंडया, ईसर सिंह किशन सिंह, बंसीलाल रामचरनदासजी, दयाल
दास जी, जन्डामल, विजयकुमार बंसी लाल, भगवान कोर चरन सिंह
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान सहित अचल सम्पत्ति सर्वे नं० 16, हिस्सा
नं० 2 पैकी 5929 वर्ग गज जो कपादरा, ता० चौरासी, जिला :
सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के फरवरी,
1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० (नया) 408/75 में प्रदर्शित
है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 20 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/249/74-75/12:--अतः, मुझे,
जे० एम० मेहरा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सं० नं० 190 हि० नं० 2 और 9 सी० टी० एस० नं० 846 है, जो कुर्ला हालवा रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. सुभगादेवी वाईफ श्रीक सरजुप्रसाद सिंह। (अन्तरक)

2. श्री हीरालाल वीरचन्द शेठ और पट्टु दीन अब्दुल हुसेन बहारमल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम:

बृहत्तर बम्बई में रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर जिला के कुरला हालवा रोड जो हाल रोड नाम से भी ज्ञात है, पर स्थित एवं मौजूद परती जमीन का वह तमाम भूभाग अथवा भूखंड खोती फ्री-होल्ड टेनर जमीन जिसकी पैमाइश 1058 वर्गगज समकक्ष 884.62 वर्गमीटर था आस पास है और बम्बई उपनगर जिला के भूराजस्व के संग्रहक की पुस्तक में सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० 2 निर्धारण सं० 1-3-0 और सी० टी० एस० नं० 846 और 847 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड है और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर से सर्वेक्षण नं० 190, हिस्सा नं० 1 द्वारा, पश्चिम की ओर से सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० 3 द्वारा, उत्तर की ओर से सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० 9 द्वारा और दक्षिण की ओर सार्वजनिक मार्ग द्वारा जो हावलव पाखड़ी अथवा हाल रोड की ओर जाता है।

द्वितीय:

बृहत्तर बम्बई में रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर जिला के कुरला हालवा रोड के नाम से भी ज्ञात है, पर स्थित एवं मौजूद जमीन के खाली प्लॉट का वह तमाम भूभाग या भूस्थल या खोती फ्री-होल्ड टेनर जमीन जिसकी पैमाइश 1089 वर्गगज समकक्ष 910.54 वर्गमीटर था आस पास है और बम्बई उपनगर जिला के भूराजस्व के संग्रहक की पुस्तक में सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० नं० 9, निर्धारण सं० 1-5-0 और सी० टी० एस० नं० 846 और 847 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड है इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर से सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० 10 द्वारा, उत्तर की ओर से सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० 12 द्वारा और दक्षिण की ओर से सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० 2 द्वारा।

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख: 31 जुलाई, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --- -- --

(1) श्रीमती रूढ़ी राजमन्नार मद्रास-31 । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जेकरुनीस एन० जमाल, मद्रास-34 ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जुलाई 1975

निदेश सं० IX / 7/149/74-75:—यतः, मुझे, जी० बी०
झावक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 62, हारिंटन रोड, मद्रास-31 है, जो मद्रास में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेस्ट मद्रास में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-फ में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-31, हारिंटन रोड डोर सं० 62 में 3 ग्रीन्ड का भूमि
(आर० एस० सं० 359/4 भाग) ।

जी० बी० झावक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख : 21 जुलाई, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जुलाई 1975

निदेश IX सं०/7/150/74-75:—यतः, मुझे, जी० वी०
शावक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 62 हार्लिटन रोड, मद्रास-31 है, जो मद्रास
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेस्ट मद्रास में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती रुट्टी राजमन्नार 66, हार्लिटन रोड, मद्रास-31
(अन्तरक)

(2) श्री महमद एन० जमाल, 14, सिवगंगा रोड, मद्रास-34
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-31, हार्लिटन रोड डोर सं० 62, में 3 ग्राउंड का भूमि
(आर० एस० सं० 359/4 भाग)।

जी० वी० शावक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 21 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1975

निदेश सं० 48/ए०/अर्जन—अतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० 20/51 व एस० 20/52 प्लॉट नं० 4/1 व 4/2 है तथा जो मो० बरना का पुल, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

8—236GI/75

1. श्रीमती हरहाइनेस कुण्णा चन्द्र देवी राना व अन्य ।
(अन्तरक)

2. श्री अशीत कुमार विमकाश ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एस० 20/51 व एस० 20/52 का भाग भूमि सहित जिसका नं० 4/1 व 4/2 है, जो मोहल्ला बरना का पुल, वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 2 जुलाई 1975

माहर:]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई, 1975

निदेश सं० 49/ए०/अर्जन:—अतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एस० 20/50 एस० 20/51 व प्लॉट नं० 4/1 व 4/2 है तथा जो मो० बरना का पुल, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हरहाइनेस कृष्णा चन्द्र देवी रानी व अन्य ।
(अन्तरक)

2. श्री अशीत कुमार बिसवास ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एस० 20/51 व एस० 20/52 का भाग भूमि सहित जिसका सं० 4/1 व 4/2 है, जो मोहल्ला बरना का पुल, वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 2 जुलाई, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई, 1975

निर्देश सं० 30-पी०/अर्जन:—अतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० 20/51 व एस० 20/52 प्लॉट नं० 4/1 व 4/2 है तथा जो मो० बरुना का पुल, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हर हाइनेस कृष्णा चन्द्र देवी रानी व अन्य ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रतिभा बिसवास ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० एस० 20/51 व एस० 20/52 का भाग भूमि-सहित जिसका नं० 4/1 व 4/2 है, जो मोहल्ला बरुना का पुल, वाराणसी में स्थित है ।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 2 जुलाई, 1975
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई, 1975

निर्देश सं० 30-पी०/अर्जन:—अतः, मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० 20/51 व एस० 20/52 प्लॉट नं० 4/1 व 4/2 है तथा जो मो० बरुना का पुल वाराणसी में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-3-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हर हाइनेस कृष्णा चन्द्र देवी रानी व अन्य (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रतिमा विसवास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एस० 20/51 व एस० 20/52 का भाग भूमि सहित जिसका नं० 4/1 व 4/2 है जो मोहल्ला बरुना का पुल, वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 2 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती हीरा रानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती कुंवर रानी मीरा सिंह।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 3 जुलाई 1975

निर्देश सं० 53-एम०/अर्जन:—अतः, मुझे, विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 509/150/205 है तथा जो न्यू हैदराबाद,
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख, 4-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किला मकान जो कि न्यू काटेज के नाम से जाना जाता है
है इस का नं० 509/150 (509/48) 1 है जो कि ट्रांस गोमती
सिविल लाईन न्यू हैदराबाद लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3 जुलाई, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री प्रेम चन्द चतुर्वेदी व अन्य । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री राम किशन पाल । (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

लखनऊ, दिनांक 17 जुलाई 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

निदेश नं० 56-आर०/अर्जन :—अतः, मुझे, विणम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 है तथा जो 4ए० पार्क रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-4-75

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 8, जिसका क्षेत्रफल 2713 वर्ग फीट है, जो कि 4-ए० (ए०) पार्क रोड, लखनऊ में स्थित है ।

विणम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 17 जुलाई, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्रीमती कस्तूरी देवी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती प्रतिभा अग्रवाल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

लखनऊ, दिनांक 17 जुलाई 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 33-पी०/अर्जन:—अतः, मुझे बिशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो रहीम नगर महानगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 9860 वर्ग फीट है जो कि रहीम नगर महानगर में स्थित है ।

बिशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख : 17 जुलाई 1975 ।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री प्रेम चन्द चतुर्वेदी व अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री जगन्नाथ पाल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक

आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 जुलाई 1975

निदेश सं० 23-जे०/अर्जन--अतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8/1 है तथा जो 4-ए० पार्क रोड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 8/1 जिसका क्षेत्रफल 30/6 वर्गफीट है ।
जो कि 4-ए०, पार्क रोड, लखनऊ में स्थित है ।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 17 जुलाई 1975 ।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती बसन्ती राय ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती शिव कुमारी देवी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक

आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करना हैं ।

लखनऊ, दिनांक 8 जुलाई 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 67-एस०/अर्जन:—अतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 35 है तथा जो बाग तालिब अली जी० इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक कित्ता प्लॉट नं० 35 जिसका क्षेत्रफल 405 वर्गगज जो बाग तालिब अली तहसील चले जिला इलाहाबाद में स्थित है ।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख : 8 जुलाई 1975 ।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, शिलांग का कार्यालय

शिलांग, दिनांक 22 अगस्त 1975

निर्देश सं० ए०-105/शि०/75-76/991-1000—अतः,
मुझे, एगबर्ट सिंग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० दो कुमेन्त नं० 54 है तथा जो जेल रोड, शिलांग
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिलांग में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० एम० दास गुप्त मैनेजर, लोन कम्पनी आफ
आसाम लिमिटेड, पोलिस बाजार, शिलांग । (अन्तरक)

2. श्री अहसानुल्लाही नागी, केयर आफ नागीज गारेज, जेल
रोड, शिलांग । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन के माप 5872 वर्ग फिट जो कि दोकुमेन्त नं० 54,
जेल रोड, शिलांग, खासी हिल्स जिला, मेघालय प्रदेश में स्थित है ।

एगबर्ट सिंग,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग ।

तारीख : 22 अगस्त 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

हैदराबाद का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० आर०ए० सी० 53/75-76—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 12-2-826 मेहदीपट्टनम् है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 2-3-1975 को
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शेहरा फानीमा हैदर मुख्तार नामादार द्वारा
डाक फाट्टीमफारुख, 9-4-2 टोली चौकी, हैदराबाद ।
(अन्तरक)

2. श्री डाक अब्दुल हादी पुत्र अब्दुल गफूर 97-बी०, मल्ले-
पल्ली, हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

नं० 12-2-826 का भाग क्षेत्रफल 969 वर्ग मीटर्स मेहदीपट्टनम्
हैदराबाद ।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 9 जुलाई 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री एस० के० मुकर्जी, ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्देश सं० 53-आर०/अर्जन:—अतः, मुझे विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 133/302 है तथा जो गणेश गंज लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

2. श्री राम कुमार, अग्रवाल और सुभाष चन्द्र अग्रवाल, लाहौर टेलरिंग । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 133/302 जो मोहल्ला गणेश गंज लखनऊ, में स्थित है ।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख : 10 जुलाई, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री राम चन्द्र गुप्ता ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती सुमन गुप्ता ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक

आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 जुलाई 1975

निदेश सं० 59-एस०/अर्जन:—अतः, मुझे, बिशम्बर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 53 वी० घ/52 है तथा जो पवैरागंज सीता पुर रोड़, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-75/1-4-75

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात् :-

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/13 भाग राइस एण्ड दाल मिल का जिस का नं० 538 घ/52 है और जो कि 5040 वर्ग फिट है और जिस में 2000 वर्ग फिट में मकान बना है जो कि पवैरा गंज सीता पुर रोड़, लखनऊ में स्थित है ।

बिशम्बर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 18 जुलाई, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एम० चन्द्रा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती वीना गुप्ता ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जुलाई 1975

निदेश सं० 18-बी०/अर्जन:—अतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 538 घ/52 है तथा जो पतौरा गंज सीतापुर रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपोबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-75/1-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1/13 भाग (राइस एण्ड दाल मिल जिस का नं० 538 घ/52 है और क्षेत्रफल 5040 है जिस में से 1300 वर्ग फिट पर क्वाटर्स बने हैं यह मिल पतौरा गंज सीतापुर रोड पर स्थित है ।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 19 जुलाई, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एम० चन्द्र ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती मधु गुप्ता ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जुलाई 1975

निदेश सं० 56-एम०/अर्जन:—अतः, मुझे विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो पतौरा गंज सीतापुर रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लॉट जो कि 4000 वर्ग फिट है जिस में दुकानें हैं और टीन से ढका हुआ है यह पतौरा गंज सीतापुर रोड, लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 19 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

रेंज-II ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 अप्रैल, 1975

निदेश सं० 216/ए० सी० ब्यू० 23-360/3-2/74-75---
यतः मुझे, पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी० सर्वे नं० 13235 शीट नं० 82 करंट नं०
26, ब्यू० नं० 5/1444/3 है, तथा जो गोबरी रोड़, पालनपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालनपुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
8-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट, नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री कनैयालाल भमूनभाई मेहता बम्बई (अन्तरक)
- (2) श्री लक्ष्मण भाई कीरसिंग भाई पटेल रामजीभाई
वीरसिंग भाई पटेल, बम्बई (अन्तरिती)
- (3) श्री परवा महेन्द्रभाई खेमचन्द भाई (ग्रन्डर हाउस)
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति (जमीन व मकान) 'गुरु सदन' जिसका सी
सर्वे नं० 13235 शीट नं० 42, करंट नं० 26, ब्यू० नं० 5/
1444/3 कुल माप 7800 वर्ग फुट है (2481 वर्ग फुट बांध
काम सहित) और जो गोबरी रोड़, पालनपुर में स्थित है जैसा कि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पालनपुर के अप्रैल, 1975 के रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 225 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 18-4-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1 कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई, 1975

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1-406 ()/1-1/74-
75—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 318, सब प्लॉट नं० 3-2, ब्लॉक नं०
B-2 है तथा जो दरियापुर काजीपुर अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और संपूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 29-4-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जयंतीलाल शंकराभाई शाए, संजीवनी रोड, एलिस
ब्रिज, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) डा० रमणभाई शंकराभाई पटेल, हिन्दु अविभक्त
कुटुंब के हेतु तथा उसकी ओर से तथा कर्ता व मैनेजर के रूप में,
एडीमिए जी० वाडी० दिल्ली दरवाजा के बाहर, शाहीबाग रोड,
अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक बांध काम वाली सम्पत्ति जो 454 वर्ग गज भूमि पर स्थित
है तथा भोरा (सैलर) जिसका क्षेत्रफल 20 वर्ग गज है जिसका सर्वे
नं० 318 सब प्लॉट नं० 3/2, ब्लॉक नं० बी-2 है, और जो दरिया
पुर काजीपुर अहमदाबाद में स्थित है (और जिसका पूर्ण विवरण
बित्री दस्तावेज में दिया गया है) ।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 3 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० आर० ए० सी० 97/75-76—यतः मुझे, आर०
रंगय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 62/1 काकागूडा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पम्बद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती आर० लक्ष्मी रेड्डी पत्नी डा० आर०
रामचन्द्रा रेड्डी, 3-2-61 हिमायत नगर, हैदराबाद।

(2) मै० लक्ष्मी पन्टरप्राएसेस 3-6-291/1 हैदरगूडा
हैदराबाद (अन्तरक)

2. वासवी कोआपरेटिव हावसिंग सोसायटी, हैदराबाद
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 62/1 काकागूडा, सिकन्दराबाद एक भाग जिसका
क्षेत्रफल 4840 वर्ग गज है।

आर० रंगय्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 12 अगस्त, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

1. श्री जे० एच० तारापुर, मद्रास (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1975

(अन्तरिती)

2. श्री विपन चन्द्र पाल भाल 8, बल्लीयम्माल रोड,
मद्रास-7।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० IX /1/55/74-75—यतः मुझे, जी० रामनातन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 15, हारीटन रोड, मद्रास है, जो में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 मार्च
1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास हारीटन रोड डोर सं० 15 में एक ग्राउंड और 2202
स्क्वायर फीट की खाली भूमि (एस सं० 324-भाग)

जी० रामनातन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1 मद्रास

तारीख 12 अगस्त, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० आर० ए० सी०-98/75-76—यतः मुझे, आर०
रंगरया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 62/1 काकागूडा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
13-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथके दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री बी० वी० मयनारायन रेड्डी, 10-2-320,
मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद।

(2) लक्ष्मी यन्टर प्रायसेस भागीदार श्री बी० चौदरी द्वारा
3-6-291/1 हैदरगूडा, हैदराबाद (अन्तरक)

2. वासवी कोआपरेटिव हावसींग सोसायटी, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप. —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 55/1 काकागूडा, सिकन्दराबाद (2 एकड़ 30 गुंठा)
सर्वे नं० 62/1, 1 एकर 10 गुंठा
लगभग 4 एकरस।

आर० रंगरया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 12 अगस्त, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० आर० ए० सी० 99/75-76—यतः मुझे, आर० रंगय्या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 62/1 काकागूडा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
4-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री बी० बी० सत्यनारायण रेड्डी, 10-2-320,
मारडेपल्ली, सिकन्दराबाद

(2) श्री बी० चौदरी, 3-6-291/1, लक्ष्मी यन्टर
प्राइसेस भागीदार द्वारा हैदरगूडा, हैदराबाद (अन्तरक)

2. वासवी कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

सर्वे नं० 62/1 काकागूडा, सिकन्दराबाद क्षेत्र---3. 37 एकड़

आर० रंगय्या,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

1. श्री ज्वाला प्रसाद (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री अजय कुमार और अन्य (अन्तरिती)

धारा-269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 अगस्त, 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 50-ए०/अर्जन--अतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 120 और 335 आदि है तथा जो रीनदुपुर जि० फैजाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जि० फैजाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 30 बीघा 13 बिस्वा 11½ बिस्वानसी है जो कि ग्राम रीनदुपुर जि० फैजाबाद में स्थित है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--

दिनांक: 8-8-1975

मोहर:

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 जुलाई, 1975

निदेश स० 44-वी०/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट 232 है तथा जो जोलहा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रविन्द्र नाथ बनर्जी (अन्तरक)

2. श्री ब्रह्मदेव मिश्रा और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट न० 232 जिसका $\frac{1}{2}$ भाग 58 $\frac{1}{2}$ DC जो कि जोलहा जिला वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 22-7-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री हरिधन सिंह (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री भजन सिंह (अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 6 अगस्त 1975

निदेश सं० 45-बी/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2 मि० है तथा जो भोजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 12 बीघा जो कि ग्राम भोजपुर जिला रामपुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 6-8-75
मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती रोशन जहां (अन्तरक)

2. श्री छोटे लाल और अन्य (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 अगस्त 1975

निदेश सं० 16-सी/अर्जन—अंतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० हाउस नं० 299/69 है तथा जो तकिया भटियारान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-1-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

एक किता मकान नं० 299/69 जिसका क्षेत्रफल 1800 वर्ग फीट है और जो कि मुहल्ला तकिया भटियारान लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 5-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री रामजी दास (अन्तरक)
2. श्री जसवन्दर सिंह और अन्य (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 अगस्त 1975

निदेश सं० 25-जे०/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो मुहल्ला सिधान, काशीपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो कि 1050 वर्ग फिट है और यह मुहल्ला सिधान काशीपुर नैनीताल में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 6-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 जुलाई, 1975

निर्देश सं० 57-एम/एयू०—अतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट न० 232 है, तथा जो जि० वाराणसी में स्थित है, और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कैलास दास बैनर्जी (अन्तरक)

2. श्री मदन मोहन लाल और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट न० 232 का आधा भाग जो कि 58½ बी०सी० और जो कि जि० वाराणसी में स्थित है ।

विशम्भर नाथ,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख : 22-7-1975

मोहर :

प्रकरण धार्ष्टी ० एन० एस०—

1. श्री मेवाला

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री रजेन्द्र प्रसाद गुप्ता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 6 अगस्त, 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :—

निर्देश सं० 60-आर/अर्जन-अतः मुझे, विशम्भर नाथ,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमों' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 227 व 228 आदि है तथा जो
भरवापुर काला डांडे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 17-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन किता प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 19.12 बिस्वा है और
यह भावापुर काला डांडे जो इलाहाबाद में स्थित है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-8-1975

मोहर :

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 जुलाई, 1975

निर्देश सं० 61-आर/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 2416, 2430 अन्य है तथा जो ताड़ी वड़ा गांव
जि० बलिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रसड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बचिया (अन्तरक)

2. श्री रीख देव सिंह और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 6.49 डी०सी० है जो कि ग्राम ताड़ी वड़ा
गांवजिला बलिया में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 22-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जुलाई 1975

निदेश सं० 62-आर/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 273/275 है तथा जो ग्राम किशनपुर भोवागढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्दा सिंह (अन्तरक)

2. श्री रघुवीर सिंह और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 7.59 डीसी है और जो ग्राम किशनपुर भोवागढ़ जिला रामपुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 30-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जुलाई 1975

निर्देश सं० 62-आर/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है
और जिसकी सं० 193, 194 आदि है तथा जो किशनपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
30-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आशा सिंह (अन्तरक)

2. श्री रघुबीर सिंह और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 15.59 डी सी जो कि ग्राम किशनपुर भोवागढ़
जि० रामपुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 30-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जुलाई 1975

निर्देश सं० 62-आर/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 193, 194 आदि है तथा जो ग्राम किशनपुर भोवागढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आशा सिंह (अन्तरक)

2. श्री रघुवीर सिंह और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 15.59 डी सी जो कि ग्राम किशनपुर भोवागढ़ जि० रामपुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 30-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 अगस्त, 1975

निर्देश स० 70-एस/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० 2 मि० है तथा जो ग्राम भोजपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

12 236GI/75

1. श्री हरीधन सिंह (अन्तरक)

2. श्री संतोष सिंह (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो कि 12 बीघा है यह ग्राम भोजपुर जिला रामपुर में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-8-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 अगस्त, 1975

निर्देश सं० 71-एस०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डी-47/198 है तथा जो रामापुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा 1 में निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शांतीदेवी (अन्तरक)

2. श्री श्रीमती शारदा देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० डी-47/198 जो कि मुहल्ला राजापुरा बाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 अगस्त, 1975

निर्देश सं० 72-आई/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० हाउस नं० 55 है तथा जो तिलक नगर लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मुन्नी देवी और अन्य (अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज त्रिपाठी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 55 जो कि 910 वर्ग फीट है और यह तिलक नगर लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 8-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री बैज नाथ (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री सीता राम (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 8 अगस्त 1975

निर्देश सं० 73-एस/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो कानपुर लखनऊ रोड में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-1-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि कानपुर लखनऊ रोड लखनऊ में
स्थित है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

विश्वम्भर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब के अनुसार
में, में, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 8-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. बाबू जगर नाथ सिंह (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 जुलाई, 1975

निर्देश सं० 74-एस०/अर्जन--अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 692, 693 आदि है तथा जो बड़या खुर्दज० देवरिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हाटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:-

2. श्री सत्य प्रकाश और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 11.82 DC जो कि ग्राम बड़या खुर्द जिला देवरिया में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 21-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती रमादेवी मोझा (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. अशा पुरी (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 8 अगस्त 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 14-4 /अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० हाउस नं० 545/634 प्लॉट 231 है तथा जो
महानगर लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 11-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा मकान नं० 545/634 मय जमीन के नं० 231 जो
कि महानगर लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 8-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1975

निदेश सं० आर० ए० सी० 100/75-76—यतः मुझे
आर० रंगय्या

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 62/1 काकागूडा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती आर० लक्ष्मी रेड्डी पत्नी आर० रामचन्द्रा
रेड्डी 3-6-21, हिमायत नगर, हैदराबाद।

(2) लक्ष्मी यन्टर प्राइसेस भागीदार श्री बी० चौधरी
द्वारा 3-6-291/1, हिमायत नगर, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. वासवी कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सर्वे न० 62/1 काकागूडा, सिकन्दराबाद, क्षेत्र-18 गुंटा।

आर० रंगय्या
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-8-1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 अगस्त, 1975

निर्देश सं० 19-बी/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 879 है तथा जो ग्राम पतवारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निवासन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जयमल सिंह और अन्य (अन्तरक)

2. श्री बिक्रम सिंह और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 5.11 एकड़ जो कि ग्राम पतवारा जिला खीरो में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-8-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री जयमल सिंह और अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री विक्रम सिंह और अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 5 अगस्त, 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 19-बी/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 879 है तथा जो ग्राम पतवारा जि० खीरी में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निधासन में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
27-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच [ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

कृषिक भूमि 5 एकड़ जो कि ग्राम पतवारा जिला खीरी में
में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—236GI/7

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 अगस्त, 1975

निदेश सं० 20-बी/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 879 है तथा जो पतवारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निधायन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जयमल सिंह और अन्य (अन्तरक)

2. श्री विश्वनाथ और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 4 एकड़ जो कि ग्राम पतवारा जि० खीरी में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

1. श्री भगवत सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री फूलचन्द सिंह यादव और अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 अगस्त 1975

निदेश सं० 36-पी०/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 117 है तथा जो नारी पंचदेवरा जि० गाजीपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सैदपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 6 बीघा 3 बिस्वा 7 बिस्वांसी है जो कि ग्राम नारी पंचदेवरा जिला गाजीपुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 8-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री जयमल सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रेम प्रकाश और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 अगस्त 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 37-पी/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 879 है तथा जो ग्राम पतवारा में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निवासन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

कृषिक भूमि 6.11 एकड़ जो कि ग्राम पतवारा, जिला खीरी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

प्रतः सब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री चन्द्र प्रकाश हिनगोराणी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती कुसुम सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० 36-के/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 198 है तथा जो शास्त्री नगर, बेतीया हाता में स्थित है (और इससे उपान्वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोरखपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कित्ता मकान दो मंजिला जिसका कुल क्षेत्रफल 2400 वर्ग फुट है जो कि मुहल्ला शास्त्री नगर, बेतीया हाता, जिला गोरखपुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 11-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/39/75-76—
यतः मुझे, डी० रामाराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्कल नं० 19/27, वार्ड नं० 1/3, मकान नं० 2/0+3 के पूर्व भाग वाला हिस्सा है तथा जो नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. मेसर्स अमृत फार्मसी प्राइवेट लिमिटेड, नागपुर द्वारा डायरेक्टर श्री प्रतापराव कृष्णराव प्रधान (अन्तरक)

2. (1) श्री सेवकराम लक्ष्मणराव बावने
(2) श्री गोविन्दराव लक्ष्मणराव बावने
(3) श्री प्रभाकरराव लक्ष्मणराव बावने (अन्तरिती)

3. (1) नागपुर साड़ी केन्द्र, नागपुर : निचली मंजिल
(2) डा० टी० एच० राने, नागपुर : पहली मंजिल
(3) श्री डी० व्ही० नवगरे, नागपुर : दूसरी मंजिल (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. (1) नागपुर साड़ी केन्द्र, नागपुर (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2/0+3, 3 मंजिल का आधा हिस्सा, पूर्व भाग, सर्कल नं० 19/27, वार्ड नं० 1/3, जिसका परिमाण 39'-6"×13'-9" है जो सीताबर्डी मेनरोड, नागपुर (महाराष्ट्र) में स्थित है।

डी० रामाराव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 31-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

Kakinada, the 5th February 1975

Ref. No. Acq. File No. 147/J.No. I(540, 541, 542, 543/74-
अतः मुझे, K. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०

Door No. 49-1-9, 49-1-10, 49-1-11 and 46-13-4 situated at
Kakinada,

है तथा जो Kakinada में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, Kakinada. में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) The Trust Association of the Convention of Baptist
Churches of Northern Circars Represented B/q. I.
Samuel, Opposite to Taluk Office, Kakinada.

(अन्तरक)

(2) 1. J. Santakumari, W/o Vankatareddy, 2. Perupally
Laxmi Bai, W/o Ramachandrarao 3. Chintakayala
Kantamma W/o BalaKrishna 4. Puvvala Nirmaladevi
W/o Ravindrakumar.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

East Godavari District—Kakinada Sub-Registrar—Kakinada
Municipality—Kakinada Town—Kakinada Ward No. 8—Block
No. 15—T.S. Nos. 743 & 744—Door No. 46-13-4.

BOUNDRIES

- Boundries to the property of J. Santakumari Doc. No. 446.
East : 115'.6" C. Kantamani
West : 115'.6" Church Road
North : 48'.3" Sivalayam Street.
South : 53'.6" P. Nirmaladevi
- Boundries to the property of P. Laxmibai Doc. No. 447.
East : 175'.9" vacant Plot
West : 155'.9" Church Road
North : 126'.9" P. Nirmaladevi
- Boundries to the property of C. Kantamani Doc. No. 448.
East : 115'.6" vacant plot
North : 115'.6" J. Santakumari
West : 67'.6" Sivalayam Street
South : 69'.00" P. Nirmaladevi
- Boundries to the property of P. Nirmaladevi Doc. No. 449.
East : 73'.6" vacant plot
West : 78'.9" Church Road
North : 121'.9" Smt. C. Kantamani & J. Santakumari
sestn.
South : 129'.9" P. Laxmibai

K. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 5-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Shrimati Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) Shri Boddu Sathiraju, Mohd. Ali Street, Gandhinagar, Kakinada.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 13th August 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

Ref. No. 613/74-75/Acq.-File No. 227.—

यतः, मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

No. Door No. 6-1-51 Jawahar Street, Ramaraopeta, है जो Kakinada में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, Kakinada में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1254, registered before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada.

दिनांक : 13-8-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) Shrimati Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. 615/74-75/Acq.File No. 228.—यतः मुझे

B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी Door No. 6-1-51 Jawahar Street, Ramaraoopeta, Kakinada, है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Kakinada में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, on 15-2-1975,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—236GI/75

(2) Shrimati Chilukuri Seetha Mahalaxmi, W/o Dr. Ch. Srinivasarao, Ramadas Clinic, Majestic Cinema Street, Kakinada.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1255 registered before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख 13 8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

(1) Smt. Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. J. No. EG 594/74-75/Acq. Fil eNo. 226.—

यतः मुझे, B. V. Subbarao.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

Door No. 6-1-51 Jawahar Street, Ramaraopeta, है जो KAKINADA में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, Kakinada, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1253 registered before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज Kakinada.

तारीख : 13-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. EG; No. 593/75-76/Acq. File No. 225.—अतः मुझे
B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० Door No. 6-1-51 Jawahar Street, Ramaraopeta,
है तथा जो Kakinada में स्थित है, (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय Kakinada, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908.
(1908 का 16) के अधीन, 15-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) Smt. Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore.
(अन्तरक)

(2) Smt. Bella Suryanarayanamma, W/o Veerabhadra Rao,
Gopalakrishna Road, Ramaraopeta, Kakinada.
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1252 registered
before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख : 13-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. 592/74-75/Acq. File No. 224.— यतः मुझे
B. V. Subbarao, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० Door No. 6-1-51 Jawahar Street, Ramaraopeta, तथा जो
में स्थित है, (और इससे उपायवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Kakinada में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-2-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) Smt. Shalini Bai Sumitra Rao, & Jawahar, Bangalore.
(अन्तरक)

(2) Smt. Palivela Satyaraju, W/o Bhaskararao, 6-1-51,
Jawahar Street, Kakinada.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 35
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1251 registered
before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, KAKINADA

तारीख 13-8-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Shri Kankatala Subramanyeswararao, Rajahmundry.
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) Shri Inumartbi Nandikeswararao, Rajahmundry.
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1975

Ref. No. J. No. I(602)/EG/74-75/Avq. File No. 209.—
यत्तः, मुझे B. V. Subbarao,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० No. 14/105 C.S. 30-2-5 Ganzinansaheb
है जो St. Rajahmundry, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय Rajahmundry में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/याThe Schedule property as per sale deed dated 28-2-75 vide
document No. 679 registered on 28-2-75 before the S.R.O.,
Rajahmundry.(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी,सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, Kakinada.अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 18-7-1975

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 17th July 1975

Ref. No. J. No. I(680)/GTR/74-75/Acq. File No. 210.—
अतः मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12-27-127 Silamvari Street, Kothapeta, है जो Guntur, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Guntur, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. Sri N. Ramakoteswararao, (2) Sri N. Prabhakara Rao, (3) Smt. Ch. Laxmikanthamma, (4) Sri N. Bhimalingeswaramma, (5) Sri B. Udaya Bhakaramma (6) Sri N. Satyanarayanamma, Guntur.

(अन्तरक)

(2) Dr. Rapuri Ramakrishnarao, Guntur.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

The schedule property as per sale deed dated 28-2-75 vide document No. 703 registered before the S.R.O., Guntur.

B. V. SUBBARAO.

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, Kakinada.

दिनांक : 17-7-1975

गोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) 1. Sri T. Venkateswararao, 2. Sri T. Muralikrishna, Vijayawada.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) Shri Maturi Venkateswararao S/o M. Poonachanarao, Main Road, Vijayawada.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अर्जन रेंज, KAKINADA

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

Kakinada. the 3rd August 1975

Ref. No. J. No. 504/(VJA)/74-75/Acq.File No. 204. —
अतः मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका No. 11-51-14 Pottiswamy Street, Vijayawada, situated at Vijayawada (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule of property, namely land and building as shown in the sale deed No. 545, of S.R.O., Vijayawada in the month of February, 1975.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज,
KAKINADA

दिनांक : 3-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Shrimati Gandhi Muthu Laxmi, W/o Gandhi Venkata Apparao Kakinada.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) Smt. Medapati Varalaxmi W/o Medapati Suryanarayana Reddy, Kakinada.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज KAKINADA

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

Kakinada, the 21st July 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

Ref. No. J. No. I(617)/EG/74-75/Acq. File No. 211.—
अतः, मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० S. No. 179 Dwarakanagar area है जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Kakinada में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (I) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per sale deed dated 14th March, 1975 vide document No. 1905 registered on 20-3-75 before S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज KAKINADA

तारीख : 21-7-1975

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 11th August 1975

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. N. Channa, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service w.e.f. 7th July 1975 to 21st August 1975 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secy.
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 16th August 1975

No. P/1857-Admn.I.—Shri Gyan Prakash, an officer of the Indian Economic Service, assumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with

New Delhi, the 13th August 1975

No. A-11/11/75—The following Assistant Enforcement Officer(s) have been appointed to officiate as Enforcement Officer(s) with effect from the date of their assumption of charge and until further orders.

Their places of posting & dates of assumption of charge are indicated against each :—

S. No.	Name	Place of posting	Date of assumption of charge
1.	Shri K. John	Trivandrum	13-6-75 (FN)
2.	Shri V. S. Thiageswaran	Hqrs. (Delhi)	9-7-75 (FN)
3.	Shri V. Subramanian	Bangalore	23-6-75 (FN)
4.	Shri R. Ravindranath	Bombay	28-6-75 (FN)
5.	Shri M. R. Chopra	Agra	30-6-75 (FN)
6.	Shri P. N. Ladhawala	Ahmedabad	11-6-75 (FN)
7.	Shri B. R. Sharma	Jaipur	24-6-75 (FN)

NRIPEN BAKSI,
Deputy Director (Admn.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th August 1975

No. A.20014/36/75-AD.I.—Consequent upon his promotion, Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri M. T. Kulkarni, Sub-Inspector as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation, Bombay (EOW) Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 22nd July 1975 (F.N.) until further orders.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer
for Deputy Inspector General of Police
Special Police Establishment

New Delhi-110001, the 18th August 1975

No. J-5/72-AD.V.—Consequent on his repatriation to his parent department the services of Shri J. P. Vashist, Dy. S. P., Central Bureau of Investigation are placed at the disposal of the I.G.P., Punjab.

Shri J. P. Vashist has been relieved from the C.B.I. on the afternoon of 30th April 1975.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

effect from the forenoon of 1st August 1975, until further orders.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secy.
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 12th August 1975

No. A-11/22/75.—Shri Sher Singh, Income Tax Officer of Income Tax Department Ahmedabad is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in Delhi Zonal Office of the Enforcement Directorate w.e.f. 1st August 1975 (FN) and until further orders.

S. B. JAIN
Director

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 13th August 1975

No. 2/35/74-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. N. Ram, Assistant Engineer, Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 26th July, 1975, until further orders.

B. V. DIGHE,
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 18th August 1975

No. O.H-136/75-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Lt. Col. Umrao Singh an officer of the Indian Army as Commandant in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post of Commandant 2nd Signal Bn., CRP Force on the forenoon of 28th July 1975.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

**OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110003, the 21st July 1975

No. E-38013(3)/3/75-Ad.I.—On transfer from Bokaro Steel Limited, Shri R. K. Dixit, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the Afternoon of 27th June 1975.

The 6th August 1975

No. E-16014(1)/18/73-Ad.I.—On transfer on deputation from Manipur State Police, Shri V. V. Sardana, assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Security Papers Mill, Hoshangabad with effect from the forenoon of 10th July 1975.

The 8th August 1975

No. E-38013(3)/10/75-Ad.I.—On transfer to Bharat Coking Coal Limited, Jharia, Shri B. Misra, Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Government Opium Factory, Neemuch relinquished the charge of the post with effect from the afternoon of 14th July 1975.

The 14th August 1975

No. E-38013(3)/10/75-Ad.I.—On transfer from Neemuch, Shri B. Misra, assumed the charge of the post of Assistant Commandant/Central Industrial Security Force Unit, B.C.C.L. Jharia, with effect from the forenoon of 25th July 1975.

The 19th August 1975

No. E-38013(2)/1/75-Ad.I.—Shri Lachman Dasa, IPS assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Mining Allied Machinery Corporation, Durgapur with effect from the afternoon of 5th May 1975.

No. E-38013(3)/32/73-Ad.I.—On transfer from Durgapur, Shri Ishwar Singh assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 7 Battalion, Central Industrial Security Force with Headquarters at Sindri with effect from the forenoon of 18th March 1975 vice Shri M. L. Khurana, who on transfer to Durgapur relinquished the charge of the said post with effect from the forenoon of the same date.

2. This supersedes our Notification of even number dated 16th May 1974.

L. S. BISHT
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 14th August 1975

No. P/K(1)-Ad.I.—In continuation of this office notification No. P/K(1)-Ad.I., dated 22nd February 1975, the President is pleased to continue the reemployment of Shri H. S.

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi, the 12th August 1975

No. 40011(2)/74-AN-A.—The undermentioned Accounts Officers were/will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Serial No.	Name with Roster No.	Grade	Date from which transferred to pension establishment.	Organisation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	Sarvashri			
1.	Chaman Lal Soni (P/175).	Permanent Accounts Officer.	31-10-75	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
2.	G. S. Sethi (P/220)	Permanent Accounts Officer.	30-11-75	Controller of Defence Accounts, Western Command Meerut.
3.	M. V. Hariharan (P/256)	Permanent Accounts Officer.	30-9-75	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.

Kwatra as Deputy Director of Census Operations, Punjab for a further period of six months with effect from 1st September 1975.

The 16th August 1975

No. 25/2/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 25/2/74-RG(Ad.I.), dated 17th March 1975, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri R. Y. Revashetti, as Assistant Director of Census Operations (Technical) with effect from 15th May 1975 up to 30th September 1975 in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, on the existing terms and conditions.

No. 11/13/75-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri K. S. Lyngdoh, Tabulation Officer in the office of the Director of Census Operations, Meghalaya as Assistant Director of Census Operations in the same office on *ad hoc* basis for a period of three months with immediate effect or till the post is regularly filled up, whichever is earlier.

BADRI NATH,
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secy.

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ANDHRA PRADESH-I**

Hyderabad-50004, the 5th August 1975

No. E.B.I/8-312/74-75.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri M. E. Rama Murthy a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 28th July 1975 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

Sd./- ILLEGIBLE
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
KERALA**

Trivandrum, the 13th August 1975

No. Estt./Entt./VI/10-3/132.—Shri P. R. Narayanan Nair, officiating Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala expired on the 29th June 1975.

R. C. GHEI,
Accountant General

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
4.	B. R. Saggarr (P/297)	Permanent Accounts Officer.	31-10-75	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
5.	Labh Chand (P/618)	Permanent Accounts Officer.	31-10-75	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
6.	N. S. Narasimhan (P/623)	Permanent Accounts Officer.	30-9-75	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
7.	Y. Veerabhadra Rao (O/92)	Officiating Accounts Officer.	30-9-75	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
8.	R. K. Deb (O/222)	Officiating Accounts Officer.	31-10-75	Controller of Defence Accounts, Patna.
9.	K. N. Ailawadi (N.Y.A.)	Officiating Accounts Officer.	31-8-75	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
10.	Niranjan Sircar (N.Y.A.)	Officiating Accounts Officer.	30-6-75	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
11.	Awtar Singh (N.Y.A.)	Officiating Accounts Officer.	31-10-75	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.

S. K. SUNDARAM

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 14th August 1975

No. 28/75/G.—Shri Hara Pada Chowdhury, Permt. Supdt., is appointed to officiate as O. S. until further orders, 30th April 1975.

No. 29/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) the undermentioned officers retired from service with effect from the dates shown against each :—

Name and Designation and Date

- (1) Shri G. Sarkar, Offg. D.A.D.G. (Pt. TSO)—31st March 1975 (A/N).
- (2) Shri N. C. Paul, Offg. D.A.D.G. (Pt. TSO)—28th February 1975 (A/N).

M. P. R. PILLAI,
Assistant Director General,
Ordnance Factories

General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 30th July 1975 and until further orders.

The 18th August 1975

No. A-1/1(900).—Shri M. E. Sheikh, permanent Superintendent and officiating as Assistant Director (Grade II) in the Directorate of Supplies (Textiles), Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 19th August 1975

No. A-1/1(941).—Shri S. Venkatram permanent Superintendent and officiating as Assistant Director (Administration) (Grade II) in the Directorate of Inspection, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 17th July 1975

No. A-1/1(480).—Shri P. D. Venugopal, permanent Junior Field Officer (Progress) and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 14th August 1975

No. A-1/1(958).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Vikram Aditya on the recommendations of the Union Public Service Commission to officiate as Assistant Director (Grade II) in the Directorate

(ADMINISTRATION BRANCH A-6)

New Delhi, the 8th August 1975

No. A/17011(53)/72-A6.—Shri G. K. Shukla, permanent Examiner of Stores and officiating Asstt. Inspecting Officer (Tex.) at Kanpur under N.I. Circle of Directorate General of Supplies and Disposals retired from Government service with effect from 30th June 1975 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

The 18th August 1975

No. A6/247/(421)/63.—Shri N. M. Date permanent Examiner of Stores (Tex) and officiating Asstt. Inspecting Officer (Tex) in the N.I. Circle, New Delhi of Directorate General of Supplies and Disposals retired from Government service with effect from 31st July 1975 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

K. L. KOHLI,
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

SHRAM MANTRALAYA

Simla-171004, the 13th September 1975

No. 23/3/75-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 decreased by four points to reach 324 (Three hundred and twenty four) during the month of July, 1975. Converted to base : 1949=100 the Index for the month of July, 1975 works out to 394 (Three hundred and ninety four).

A. S. BHARADWAJ, for Joint Director.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 18th August 1975

CORRIGENDUM

No. 2222(AKM)/19A.—The date of assumption of charge of Shri Anil Kumar Mathur, Assistant Geologist, Geological Survey of India as stated in this office Notification of even No. dated 26-5-1975 may be substituted as 20-1-1975 (FN) instead of 30-1-1975 (FN).

V. K. S. VARADAN
Director General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 16th August 1975

No. C-4986/PF(M.Dasarathy).—As a result of disciplinary action Shri M. Dasarathy, Officer Surveyor, No. 34 Party (PMP), Survey of India, Hyderabad is awarded the penalty of "CENSURE".

HARI NARAIN
Surveyor General of India

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

BOTANICAL SURVEY OF INDIA

(CENTRAL OFFICE)

Howrah-711103, the 14th August 1975

No. BSI-66/64/75-Estt.—The Director-in-Charge, Botanical Survey of India, is pleased to accept the resignation tendered by Dr. R. R. Rao from the Class II post of Botanist, Eastern Circle, Botanical Survey of India, with effect from the afternoon of 28th February 1975.

D. G. MOOKERJEE
Sr. Administrative Officer

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 11th August 1975

No. 6-65/64-Estt./1975.—Shri S. Ghoshal, Head Librarian (Gazetted-Class II), Zoological Survey of India, retired from service on superannuation with effect from 31st July, 1975 (afternoon).

DR. S. KHERA
Deputy Director-in-Charge

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th August 1975

No. 4/70/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Ahmed Jalees as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the 21st July, 1975 and until further orders.

No. 4(96)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kumari Suraiya Begum as Programme Executive, All India Radio, External Services Division, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 7th June, 1975 and until further orders.

No. 4/106/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri D. V. Maheshwari as Programme Executive, All India Radio, Bhuj in a temporary capacity with effect from the 21st July, 1975 and until further orders.

No. 4(127)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Mr. N. K. Sharma as Programme Executive, All India Radio, Rampur in a temporary capacity with effect from the 22nd July, 1975 and until further orders.

No. 5/132/67-SI.—The Director, General, All India Radio hereby appoints Shri G. C. Sukhlabaldya, Transmission, Executive, All India Radio, Agartala as Programme Executive, All India Radio, Silchar in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from the 18th July, 1975 until further orders.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration
for Director General

(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi-1, the 18th August 1975

CORRIGENDUM

No. A-12023/2/74-CW.I-2384.—Reference this Office Gazette Notification No. A-12023/2/74-CW.I dated 3rd May 1975 :—

FOR : 18-3-1975 (A.N.).

READ : 18-3-1975 (F.N.).

K. G. KRISHNAMURTHY
Engineer Officer to Ad. C.E. (Civil)
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 8th August 1975

No. 9/53/61-Est.I.—Shri M. L. Mukherjee, Technical Assistant (Printed Publicity) in this Directorate is appointed to officiate as Assistant Production Manager (Printed Publicity) for the period from 17th March 1975 to 19th July 1975 vice Shri R. J. Chandrabhan Singh in the chain of the leave vacancy of Shri R. H. Bhanot.

The 18th August 1975

No. 46/-A/Est.I.—Shri J. M. De re-employed in the post of Senior Artist in this Directorate with effect from the 28th April, 1975 relinquished charge of the post with effect from the afternoon of 3rd June, 1975.

R. L. JAIN
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 12th August 1975

No. 12-21/74-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri P. R. Gupta, a permanent Section Officer in the Directorate General of Health Services, retired from service with effect from the afternoon of 31st July, 1975.

The 13th August 1975

No. 17-24/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. C. Srivastava in a substantive capacity to the permanent post of Biochemist in the Directorate General of Health Services with effect from the 28th August, 1973.

The 14th August 1975

No. 6-8/70-Admn.I.—The Government of India announce with profound regret the death of Shri Prakash Singh Junior Technical Officer in the Central Research Institute, Kasauli on the 22nd July, 1975.

No. 36-4/72-Admn.I.—Shri R. N. Naug relinquished charge of the post of Junior Psychologist, Willington Hospital & Nursing Home, New Delhi, on the forenoon of the 17th April, 1975.

The 16th August 1975

No. 19-24/69-Admn.I/Pt.II.—On return from deputation with the Indian Agricultural Research Institute, New Delhi, Dr. P. Brahmananda Rao resumed charge of the post of Reader in Physics at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry on the forenoon of the 14th July, 1975.

The 18th August 1975

No. 7-1/75-Admn.I.—The Government of India announce with profound regret the death of Shri V. K. Vardachari, Administrative Officer, Central Leprosy Teaching and Research Institute, Chingleput, on the 31st May, 1975.

The 19th August 1975

No. 28-8/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Srivastava, Research Officer at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, to the post of Assistant Director (Ent.) at RCO National Malaria Eradication Programme, Baroda, on an *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 19th July, 1975 to 5th October, 1975 *vice* Shri B. S. Krishnamurthy on leave.

2. Consequent on his appointment as Assistant Director (Ent.) at RCO National Malaria Eradication Programme, Baroda, Shri S. P. Srivastava relinquished charge of the post of Research Officer at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from the afternoon of 16th July, 1975.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration

New Delhi, the 11th August 1975

No. F.20/1(32)/75-CGHSI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Syeda Fatima to the post of Unani Physician in the Central Govt. Health Scheme, Delhi under this Directorate, on a regular basis, with effect from the forenoon of the 31st July, 1975 and until further orders.

G. PANCHAPAKESAN
Deputy Director Administration (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)
DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 20th August 1975

No. F.2(11)/71-Estt.(I).—Shri P. C. Chaudhary, Assistant Exhibition Officer (Grade II) is promoted to officiate as Assistant Exhibition Officer (Grade I), Class II (Gazetted) (Non-Ministerial), in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture) on *ad hoc* basis with effect from 11th August, 1975 until further orders.

N. K. DUTTA
Director of Administration

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION
(HEAD OFFICE)

Faridabad, the 12th August 1975

No. F.4-6(91)/75-AF.I.—On recommendations of the Union Public Service Commission, Miss Shashi Lata Arora has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, Group II in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi with effect from 30th June 1975 (A.N.), until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 28th July 1975

No. PA/81(62)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Vilas Govind Gaonkar, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of May 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 28th July 1975

No. DPS/A/32011/2/75/Est/1550.—In continuation of this Directorate notification No. DPS/A/32011/2/75/Est. dated June 12, 1975, Director, Purchase and Stores appoints Shri V. R. Natarajan, a permanent Section Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, on deputation to this Directorate, as a temporary Assistant Accounts Officer on an *ad hoc* basis in the same Directorate for a further period from June 1, 1975 to July 31, 1975.

The 31st July 1975

No. DPS/A/11013/4/74/Est.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. Banerjee, a permanent Storekeeper and officiating Asstt. Stores Officer in the Directorate of Purchase and Stores in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—960 (Revised) as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from the forenoon of July 1, 1975 until further orders.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 1st August 1975

No. RRC-II-1(26)/72-15199.—In continuation of this Centre's Notification of even no. /9982 dated 31st May, 1975, Project Director, Reactor Research Centre is pleased to extend the officiating appointment of Shri PORUNTHAKKAM, VENUGOPALACHARY SUNDARARAJAN as an Assistant Administrative Officer in the same Centre by 6 days from 6th July 1975 to 11th July 1975 *vice* Shri K. Venkatakrishnan, Assistant Administrative Officer granted extension of leave.

The 2nd August 1975

No. RRC-II-13(9)/74-15246.—The Project Director, Reactor Research Centre appoints Shri Suresh Yeshwant Joshi, a temporary Draughtsman 'C' as a temporary Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre with effect from the forenoon of August 1, 1975 until further orders.

K. SANKARANARAYANAN
Sr. Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 11th August 1975

No. E(I)03516.—On attaining the age of superannuation Shri N. Majumdar, Assistant Meteorologist, Office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi retired from Government Service with effect from the afternoon of 28th February 1975.

The 12th August 1975

No. E(I)03708.—On attaining the age of superannuation Shri S. C. Kar, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta retired from the Govt. service with effect from the *afternoon of 31st March 1975*.

No. E(I)03039.—On attaining the age of superannuation Shri S. S. Sinha, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Deputy Director General of Observatories (Instruments), New Delhi retired from Govt. service with effect from the *afternoon of 30th June 1975*.

No. E(I)04224.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. N. Sen, Professional Assistant, Meteorological Centre, Ahmedabad under the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-eight days with effect from the forenoon of 23rd July 1975 to 18th October 1975.

Shri S. N. Sen, Offg. Assistant Meteorologist remains posted Meteorological Centre, Ahmedabad under the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

The 14th August 1975

No. E(I)03612.—On attaining the age of superannuation Shri Ramsaran Das, Officiating Assistant Meteorologist, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi retired from Govt. service with effect from the *afternoon of 30th June 1975*.

The 16th August 1975

No. E(I)04236.—On attaining the age of superannuation Shri D. C. Datta, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta retired from Govt. service on the *afternoon of 31st January 1975*.

No. E(I)03392.—On attaining the age of superannuation Shri S. N. Bose, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi retired from Govt. service with effect from the *afternoon of 30th April 1975*.

No. E(I)03613.—On attaining the age of superannuation Shri K. K. Natarajan, Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras retired from Govt. service with effect from the *afternoon of 30th June 1975*.

No. E(I)04207.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri J. Nandy, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of fortyeight days with effect from the forenoon of 15th July 1975.

Shri J. Nandy, Offg. Assistant Meteorologist remains posted in Regional Meteorological Centre, Calcutta.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 11th August 1975

No. A.32013/12/73-EC.—The President is pleased to extend the *ad-hoc* promotion of Shri A. Ramanathan, Technical Officer to the grade of Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department upto the 30th April, 1975 or till the post held by him is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A.32013/5/75-EC.—The President is pleased to appoint the following five Communication Officers, working as Senior Communication Officer on an *ad hoc* basis, as Senior Communication Officer on a regular basis in the CAD with effect from the 31st March, 1975 (forenoon) and until further orders :—

1. Shri Kishu Tek Chandani
2. Shri V. K. Kalra
3. Shri S. C. Goswami
4. Shri R. P. Sharma
5. Shri L. R. Garg.

The 18th August 1975

No. A.32013/3/75-EC.—The President is pleased to appoint the following 12 Technical Officers, working as Senior Technical Officer on an *ad hoc* basis, as Senior Technical Officer on a regular basis in the Civil Aviation Department with effect from 31st March, 1975 (forenoon) and until further orders :—

1. Shri P. L. Modgil
2. Shri M. S. Krishnan
3. Shri S. K. Das
4. Shri A. N. Nath
5. Shri B. S. Grewal
6. Shri C. R. Narsingham
7. Shri B. R. Chaturvedi
8. Shri O. C. Alexander
9. Shri J. K. Bhattacharya
10. Shri C. V. Venkatesan
11. Shri P. S. Dhunta
12. Shri S. V. Iyer.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 4th August 1975

No. A-32013/2/75-E(H).—The President is pleased to appoint Shri J. S. Chowdhury, Controller of Aerodromes, Delhi Region as Director of Air Routes & Aerodromes (Planning) on an *ad-hoc* basis in the Civil Aviation Department with effect from the forenoon of the 1st August, 1975, and until further orders.

T. S. SRINIVASAN
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 18th August 1975

No. A12034/4/75EA.—Shri V. K. Tampi, Regional Controller of Aerodromes, Madras Region, Madras Airport, Madras retired from Govt. service on the 31st July, 1975 A.N. on attaining the age of superannuation.

No. A. 32013/2/74 E.A.—The President has been pleased to appoint the following Aerodrome Officers of one grade of Senior Aerodrome Officer, in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600, in an officiating capacity, with effect from the date noted against their names and until further orders :—

S. No.	Name	Date	Station
1. Shri P. C. Vyas	.	2-8-75	Delhi Airport, Palam.
2. Shri G. E. Samual	.	8-8-75	Madras Airport.
3. Shri V. G. Karnad	.	2-8-75 A.N.	Bombay Airport.

S. L. KHANDPUR,
Asst. Director of Administration

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Allahabad, the 28th July 1975

No. 79/1975.—Shri R. C. Awasthi, officiating Superintendent Central Excise, Class II, previously posted as Superintendent, M.O.R., in the Central Excise Integrated Divisional Office, Lucknow, handed over charge of the office of the Superintendent, M.O.R., Central Excise Integrated Divisional Office, Lucknow in the afternoon of 30th June 1975 to Shri A. M. K. Warsi, Superintendent, Central Excise, Class II and retired from Government service with effect from the said date and hours.

H. B. DASS
Collector
Central Excise, Allahabad

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 5th August 1975

No. 10/7(160)/73-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint Smt. P. K. Nair, an officiating Assistant Accountant in the Civil Engineering Division, Department of Space, as an Assistant Accounts Officer in the Civil Engineering Division, Department of Space with effect from the forenoon of July 28, 1975 and until further orders.

P. I. U. NAMBIAR
Administrative Officer,
for Chief Engineer.

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380009, the 28th July 1975

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri A. Rama Chandra as Scientist/Engineer SB (Cameraman) on a basic pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from July 1, 1975 and up to July 31, 1976.

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri A. A. Mansuri as Scientist/Engineer SB (Presentation Announcer) on a basic pay of Rs. 650 per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from June 7, 1975 and up to July 31, 1976.

MAJOR R. C. SAMUEL (Retd.)
Administrative Officer-II

INDIAN SCIENTIFIC SATELLITE PROJECT

Bangalore, the 5th August 1975

No. 020/3(061)/75.—Consequent on the conversion of the Indian Space Research Organisation into a Government body w.e.f. 1st April 1975, the Director, VSSC is pleased to appoint the following personnel to the posts mentioned against each w.e.f. 1st April 1975 in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in the Indian Scientific Satellite Project, Bangalore.

1. Shri A. R. Srivatsa—Engineer SB.
2. Shri H. R. Narasimha Katari—Engineer SB.
3. Shri S. S. Chauhan—Engineer SB.
4. Shri N. S. Savalgi—Engineer SB.
5. Shri H. V. Ramaswamy—Engineer SB.
6. Shri P. A. Krishnamurthy—Asst. Purchase Officer.

V. V. S. CHOWDARY
Administrative Officer

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 11th August 1975

No. A-19012/548/75-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class-II), the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri P. R. Belgal, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a regular basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of the 14th July, 1975, until further orders.

Shri P. R. Belgal will be on probation in the grade of Assistant Research Officer (Physics), Central Water and Power Research Station, Poona, for a period of two years, with effect from 14th July 1975 (F.N.).

The 12th August 1975

No. A-19012/192/70-Adm.V (Vol.II).—In partial modification of this Commission's Notification No. 14/656/70-Adm.V, dated the 6th March, 70, the Chairman, Central Water and Power Commission (Water Wing) (now Central Water Commission) is pleased to appoint Shri K. S. Chawla, Supervisor to officiate *notionally* in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) now the Central Water Commission, on *ad hoc* basis in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 (pre-revised) with effect from 4th May 1964.

Shri K. S. Chawla may be deemed to have taken over charge of the post of Extra Assistant Director in the Central Water and Power Commission (Water Wing), New Delhi with effect from the above date.

No. A-32014/7/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-32014/7/74-Adm.V, dated the 30th May 1975, the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following Research Assistants to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period from 1st July 1975 to 27th August 1975, (A.N.) or till such time the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri V. Ramanathan.
2. Shri I. Z. Poonawala.
3. Smt. Valsala Kizhakkedath, Appukuttan.
4. Shri A. G. Kale.

No. A-32014/7/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-32014/7/74-Adm.V, dated the 25th June 1975, the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints the following Research Assistants (Engg.) to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period from 1st July 1975 to 31st August 1975 (A.N.) or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri Ch. Bhujanga Rao
2. Shri K. A. Ismail
3. Shri D. M. Khambete
4. Shri A. G. Phansalkar
5. Shri K. N. Appukuttan
6. Shri S. N. Mone
7. Shri M. S. Shitole
8. Shri S. Guha.

The 16th August 1975

No. A-32012/7/74-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class-II), the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following Research Assistants (presently officiating as Assistant Research Officer (Engineering) on an ad hoc basis), to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a regular basis, in an officiating capacity, until further orders, with effect from the dates indicated below against each :—

1. Shri K. A. Ismail—11th April 1975.
2. Shri D. M. Khambete—11th April 1975.
3. Shri A. G. Phansalkar—11th April 1975.
4. Shri K. N. Appakuttan—11th April 1975.
5. Shri S. N. Mone—11th April 1975.

2. The above officers will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Engineering), Central Water and Power Research Station, Poona, for a period of two years, with effect from the dates shown above against each.

K. P. B. MENON,
Under Secretary,
for Chairman, C.W. Commission

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 12th August 1975

No. 6/2/75-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Technical Assistants to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

1. Shri S. P. Nivsarkar—8th July 1975 (F.N.).
2. Shri N. Kothandapani—8th July 1975 (F.N.).
3. Shri Ranvir Singh—19th July 1975 (F.N.).
4. Shri A. K. Acharya—24th July 1975 (F.N.).

JANGSHER SINGH

Under Secretary
for Chairman

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION (DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta-27, the 14th August 1975

No. G-65/B(CON).—The Director, National Test House, Alipore, Calcutta hereby appoints Shri S. C. Parbat, Scientific Assistant (Chemical) in the National Test House, Calcutta to officiate as Scientific Officer (Chemical) in the same office w.e.f. the forenoon of the 30th July 1975 on an ad hoc basis and up to 31st December 1975 or till such time the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

No. G-65/B(CON).—The Director, National Test House, Alipore, Calcutta hereby appoints Shri P. C. Pradhan, Scientific Assistant (Electrical) in the National Test House, Calcutta to officiate as Scientific Officer (Electrical) in the same office w.e.f. the forenoon of the 25th July 1975 on an ad hoc basis and upto 31st December 1975 or till such time the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

S. K. CHATTOPADHYAY,
Asstt. Director (Admn.)
for Director,
National Test House

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Banipress Private Limited.

Shillong, the 8th August 1975

No. 296/560/1841.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Banipress Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. VASHISHTHA,
Registrar of Companies,
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vlsnagar Commercial & Financial Company Private Limited.

Ahmedabad, the 16th August 1975

No. 1828/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Vlsnagar Commercial & Financial Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Cawnpore Commercial Corporation Private Limited.

Ahmedabad, the 16th August 1975

No. 1129/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Cawnpore Commercial Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA,
Registrar of Companies,
Gujarat

3. Nagpur
4. Allahabad
5. Amritsar
6. Chandigarh
7. Delhi
8. Indore
9. Jabalpur
10. Jaipur
11. Patna.

By Order of the Appellate Tribunal
C. K. B. DAVE,
Registrar,
Income-Tax Appellate Tribunal, Bombay.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Nortem

Engineering Corporation Ltd.

Cuttack, the 7th August 1975

No. A.233/75-1212(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Nortem Engineering Corporation Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE
Registrar of Companies,
Orissa

INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 5th May 1975

No. F.71-Ad(AT)/74.—In exercise of the Powers conferred by sub-section (5) of section 255 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) read with Rule 5-B of the Income-tax (Appellate Tribunal) Amendment Rules, 1975, the President, Income-tax Appellate Tribunal hereby notifies that the Tribunal in its discretion may permit the use of Hindi in its proceedings or may pass orders in Hindi, in the States of Gujarat, Maharashtra, Uttar Pradesh, Punjab, Madhya Pradesh, Rajasthan, Bihar and the Union Territories of Chandigarh and Delhi at the following stations where Benches of the Tribunal are located.

1. Ahmedabad
2. Bombay

INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL

INCOME-TAX (APPELLATE TRIBUNAL) RULES, 1963.

Bombay, the 5th May 1975

No. F.71-Ad(AT)/74.—In exercise of the Powers conferred by sub-section (5) of section 255 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Appellate Tribunal hereby makes the following rules further to amend the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963 :

1. These rules may be called the Income-tax (Appellate-Tribunal) Amendment Rules, 1975.

2. In the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963—

After rule 5-A the following rule shall be added :

“5-B. Use of Hindi in proceedings and orders—

Notwithstanding anything contained in these rules, the Tribunal in its discretion may permit the use of Hindi in its proceedings or may pass orders in Hindi, in such States as may be notified by the President in this behalf from time to time.

Provided that where the order is passed in Hindi it shall be accompanied by an authorised English translation thereof.”

By ORDER OF THE APPELLATE TRIBUNAL
C. K. B. DAVE
Registrar
Income-tax Appellate Tribunal,
Bombay.

FORM ITNS

(2) Shri Sanat Kumar Dutta 2/3 Elgin Road, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1975

Ref. No. 278/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/3 situated at Elgin Sadar, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore Sadar, 24-Pgs. on 28-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Shanti Rani Chatterjee 10B Bhaba Nath Sen Street, Chitpore, 24-Pgs.

(Transferor)

- (4) Smt. Jayashree Bose w/o Sri Sujit Bose.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4th, undivided share in the property containing land of area 4 cottahs 11 chittacks 10 sq. ft. more or less together with a building erected thereon at 2/3 Elgin Road, Calcutta as per deed No. 6575 of 1974 registered before Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Pgs.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 14-8-1975

Seal:

FORM ITNS

(2) I.B.A. Printing Inks (P.) Ltd.
P-12/3, Taratolla Road, Calcutta-53.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 18th August 1975

Ref. No. AC-24/R-II/CAL/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag Nos. 30 & 31, situated at Mouza & P.S. Behala, 24-Parg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Register of Assurances Calcutta on 13-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Baidya Nath Chattopadhyaya 18, Acharyya Profulla Chandra Road Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 cottahs, 14 chittacks & 35 Sq. Ft. in Dag nos. 30 & 31, Khatian No. 184, J.L. No. 2, R.S. No. 83, Pargana Balia, Mouza & P.S. Behala, Touji No. 346, District 24-Parganas.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 18-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bishwanath Chottopadhyaya
18, Acharya Prafulla Chandra Road, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) J.B.A. Printing Inks (P.) Ltd.
P-12/3, Taratolla Road, Calcutta-53.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 18th August 1975

Ref. No. AC-25/R-II/CAL/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag Nos. 18 & 19, situated at Mouza & P.S. Behala, 24-Prgs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 13-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 17 Cottahs, 6 Chittacks & 18 Sq. ft. in Dag Nos. 18 & 19, Khatian No. 181 & 192, J.L. No. 2, R.S. No. 83, Touzi No. 346, Pargana-Balia, Mouza & P.S. Behala, Dt. 24-Parganas.
*Touzi No. 346

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 18-8-1975.

Seal:

FORM ITNS

(1) Shrimati Pushpalata Chattopadhyaya
18, Acharya Prafulla Chandra Road, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) J.B.A. Printing Inks (P.) Ltd.
P-12/3, Taratolla Road, Calcutta-53.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 18th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AC-26/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag Nos. 24 to 27, 28 (N.W. Portion), 29 & 32, situated at Mouza & P.S. Behala 24-Prgs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 13-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring 29 Cottahs, 8 Chittacks & 44 Sq. ft. in Dag Nos. 24 to 27, 28 (North Western Portion), 29 & 32, I.L. No. 2, R.S. No. 83, Touzi No. 346, Mouza & P.S. Behala, Pargana Balia, 24-Parganas.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 18-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE
ROAD, POONA : 411004.

Poona-411004, the 20th August 1975

Ref. No. C.A. 5/December '74/Haveli-II (Poona)/225/75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 220/1 (part), C.T.S. No. 21138 situated at Yeravada (Poona)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Haveli-II (Poona) on 12-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Capt. Shorab Rushtamjee,
6, Burnett Road,
Poona.

(Transferor)

(2) 1. Col. Sohrab Kaikhashru Pudumjee.
2. Smt. Tehmi Sohrab Pudumjee,
220/1, Nagar Road, Poona.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold land R.S. No. 220/1 (Part), Yeravda, Poona
C.T.S. No. 2113 B, Yeravda, Poona.

Area of the land :—4047 Sq. Mtrs. according to property card.

Built up area :—4982 Sq. ft.

One Storey bldg., 1968, 1969 construction, extension of three rooms in 1974. (property as mentioned in the Registered deed No. 2806 of the Registering authority Haveli-II in Dec. 1974).

H. S. AULAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 20-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Nageen Sundri Jain d/o Shri Moti Ram Jain
w/o, Sh. N. L. Jain r/o C-36, Bungalow Road,
Adrash Nagar, Delhi-33.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR ,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/853/75-76/2985.—Whereas I, S. N. L. Agarwala,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-36 situated at Bungalow Road, Adrash Nagar, Delhi-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 19-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. M. Sinha w/o Shri B. N. Sinha r/o House No. 3364, Christian Colony, Karol Bagh, New Delhi-5 through Shri K. K. Agarwal, H-3/5, Model Town, Delhi.

(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold plot of land bearing No. C-36 measuring 400 sq. yds. situated at Bungalow Road, Adrash Nagar, Delhi-33 and bounded as under :—

North—Road
East—Gali
South—Bungalow Road
West—Plot No. 37

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 18-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd August 1975

Ref. No. Acq. 23-I-40(211)/11-6/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 350 (Part), Ward No. 10, House No. 54A situated at Bhalka Road, Veraval (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Veraval on 16-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Vrajlal Tulsidas Soni,
Jewellers Apartments, Block No. 107,
56, Peddar Road, Bombay-26.
2. Shri Subhas Kashiram Choksey,
'Sky Scraper' 'B' Building, Block No. 1,
4th Floor, Bhulabhai Desai Road,
Bombay-26.

(Transferor)

- (2) M/s. Kermani Ice and Cold Storage; Through partners:—
 - (i) Gustad Rashid Kermani.
 - (ii) Motibhai Rashid Irani,
Both residing at 'Kermani', 9-Keluskar Road,
Bombay-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 1858 sq. meters bearing Survey No. 350 (Part) Ward No. 10, House No. 54/A, situated at Bhalka Road, Veraval together with fixed machineries in the said premises and as fully described in the sale deed.

J. KATHURIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-8-1975

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th August 1975

Ref. No. RAC. No. 102/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-8-705 (Portion) situated at Gandhigunj, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 30-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—236GI/75

- (1) S/Sri 1. Chendoor Lachiah, 2. Chendoor Rajeshwar, 3. Ch. Balamma, W/o Dammaiah, 4. Kaparti Gangavva, W/o Gangaiah, 5. Ch. Jagadamba W/o Ch. Sudershan, 6. Smt. P. Vijaya Laxmi, W/o Raghunath, 7. Ch. Prakash S/o Sudershan, 8. Ch. Vonod, S/o Sudershan, 9. Ch. Dharmender, 10. B. Bhagya, Laxmi, W/o Lingamurthy, All 10 are residing at Nizamabad, A.P.

(Transferor)

- (2) Sri Kankati Satyamma, W/o Chinna Lingoji R/o Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property—Rear portion of the house bearing Municipal No. 7-8-705 situated at Gandhi Gunj, Nizamabad, A.P.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 19-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Radhesyam Agarwal, S/o Sri Sreekishen Agarwal, R/o Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Veena Devi, W/o Sri Balkishan Gupta, R/o Pattargatti, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th August 1975

Ref. No. RAC. No. 104/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,
being the competent authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21-2-78, 77/9, 95/1 situated at Pattargatti, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at
Hyderabad on 31-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said
Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property—Building bearing Nos. 21-2-78, 21-2-77/9 and
21-2-95/1 at Pattargatti, Gulzar House, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 19-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th August 1975

Ref. No. RAC. No. 103/75-76.—Whereas, I. K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-8-705 situated at Ghandhi Gunj, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nizamabad on 30-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/sri 1. Ch. Lachiah, 2. Chendoor Rajeshwar, 3. Ch. Balamma, W/o Dammaiah, 4. Kaparti Gangavva, W/o Gangaiah, 5. Chendoor Jagadamba, W/o Chendoor Sundershan, 6. Smt. P. Vijaya Laxmi, W/o Raghunath, 7. Chendoor Prakash, 8. Ch. Vinod S/o Sundershan, 9. Ch. Dharmender, S/o Sudersha Nath, 10. B. Bhagya Laxmi, W/o Lingamurthy, All 10 persons residing at Nizamabad, A.P.

(Transferor)

- (2) Sri Kankati Chinna Lingoji, S/o Ramji Lingoji, R/o Gandhi Gunj, Nizamabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Front portion of the House Municipal No. 7-8-705 situated at Gandhi Gunj, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-8-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 19th August 1975

(1) Sri Ram Engg. Works, through its partners :—

1. Shri Ramniklal Manordas,
2. Smt. Chandrika V. Mehta,
3. Smt. Charu M. Mehta,
4. Bipin M. Mehta,

Vadva Talavdi, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Ghanshyam Textile Manufacturing Co., through Partners :—

1. Smt. Shantaben Kanjibhai,
2. Shri Ratilal Kanjibhai,
3. Shri Khimjibhai Kanjibhai,
4. Shri Laljibhai Kanjibhai,
5. Shri Jayantilal Kanjibhai,

Vadva Talavdi, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A factory building standing on land admeasuring 777.77 sq. yards bearing Survey No. 1558 and 1560 of Ward No. 1 (Panwadi), Plot Nos. 30 and 37, situated at Vadva Talavdi Road, Bhavnagar and as fully described in the sale deed.

J. KATHURIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 19-8-1975

Seal :

Ref. No. Acq. 23-I-586(209)/5-1/75-76.—Whereas, I. J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 1558 and 1560 of Ward No. 1 (Panwadi) Plot Nos. 30 & 37 situated at Vadva Talavdi Road, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bhavnagar on 16-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

FORM ITNS—

(1) Late Sri Ifthekarul Haq, S/o Mod. Ikram Hanssain,
H. No. 16-8-536 at New Malakpet, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Mrs. Zaibunissa Ibrahim, W/o Syed Ali Akbar,
H. No. 16-8-533 at New Malakpet, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 101/75-76.—Whereas, I, K. S. Venka-
taraman,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 16-8-533 situated at New Malakpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 4-1-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lia-
bility of the transferor to pay tax under the
said Act in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any monies or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957);

THE SCHEDULE

Property—House No. 16-8-533 at New Malakpet, Hydera-
bad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of Section 269D of the said Act
to the following persons, namely :—

Date : 18-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Moreshwar N. Kirtikar,

(Transferor)

(2) Shri Dinker Vinayak Chitnis.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay-400 020, the 26th July 1975

Ref. No. AR.V/233/4/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 237(part) and C.S. No. 616 (part) situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 15-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate, lying and being at Mulund in Kurla Taluka of Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra containing by ad-measuring 8731 sq. yds. (7299.12 sq. mts.) or thereabouts and being S. No. 237 (part) City Survey No. 616 (part) and bounded as follows :—

On the East by L.B.S. Marg (Old Bombay Agra Road),
On the West by land bearing Survey No. 247.
On the North by E.S.I.S. Hosp., and
On the south by Government land occupied by Sindhi Colony bearing City survey Nos. 571, 614 and 615.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 26-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bora Kanta Sajuli, Panbazar, Gauhati.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satyanarain Budhia c/o Trade Centre, Toko-Bari, Gauhati.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 1st August 1975

Ref. No. A-108/75-76./1603-11.—Whereas, I, Shri Egbert Singh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 134 of K.P. No. 1 situated at Village Dishpur, Mouza, Beltola, situated at Kakaguda Village, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Gauhati on 9-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Land measuring 2 (two) katta, 10 (ten) lechas covered by Dag No. 134 of K.P. No. 1, situated at Village Dishpur, Mouza Beltola in Kamrup District of Assam State.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date 1-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Taran Nath Tandon Advocate S/o Shri Brij Nath Tandon R/o Ajmer at present R/o Jaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gujrati Maha Mandal Hathi Bhata Ajmer Through Dr. Navin Chandra Desai President and Shri Narain Bhai Kachra Bhai Choudhry, Secretary, Ajmer.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th July 1975

Ref. No. 9 IAC(Acq.)/251.—Whereas, I. V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AMC 430/XI, situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Constructed property bearing No. AMC 430/XI known as Purana Vishambhar Niwas, Kachaheri Road (Mahatma Gandhi Road) Ajmer having plot area 3973 sq. yards.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 25-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. 5R.A.C.51/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-825/826 situated at Mehdiapatnam, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 13-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

18—236 IG/75

(1) Smt. Zehra Fatima Hyder W/o late Mohd. Hyder through her G.P.A. Dr. Faheem Mohd. Farooq, 9-4-2, Towlichowki, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Saifuddin Aslma S/o Syed Gulam Mohiuddin, Minor under Guardianship of father Syed Gulam Mohiuddin 11-3-745, New Mallepally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

South-west portion of the premises No. 12-2-825 & 826, situated at Mehdiapatnam, Hyderabad, measuring about 3738.75 sq. Metres, including the passage left free of cost.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-7-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Zehra Fatima Hyder W/o late Mohd. Hyder through her G.P.A. Dr. Faheem Mohd. Farooq, 9-4-2, Towlichowki, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.52/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-825/826 situated at Mehdiapatnam, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 13-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

North-west portion of the premises Municipal No. 12-2-825 & 826, Mehdiapatnam, Hyderabad, measuring about 2708.25 Sq. Metres.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.70/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Offices on 1st floor 22 to 44 situated at Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 13-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Associated Builders & Real Estate Agents, C/o Totaram Sagarlal & Sons, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) S/Shri M. Sitaramamurty Raju; (2) Smt. M. Sundaravijayalakshmi; (3) M. Venkata Padmanabha Raju; (4) Smt. M. Venkatanarasayya; (5) G. Venkataranga Raju; (6) Smt. G. Lakshminarasayya; (7) G. Venkata Ranga Subba Raju and (8) G. Venkatanarasimha Raju, Residents of Chirkumilli village Bhimavaram Tq. Godavari Dist.

(Transferee)

(3) (State Bank of India)
(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Offices No. 22 to 44, first floor, Abid Shopping Centre, Chirag Ali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-7-1975

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C./75-76.—Whereas, J. K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-825/826 situated at Medhdipatnam, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 13-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Zehra Fateema Hyder W/o late Mohd. Hyder, Through her G.P.A. Dr. Faheem M. Farooq, 9-4-2, Tolichowki, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Gulam Mohiuddin, Business, Peddapalli, Karimnagar Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

North-Eastern portion of the premises bearing Municipal No. 12-2-825 & 826, situated at Mehdiapatnam, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-7-1975

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Premdas Naraindas.
 (2) Shri Gurparshad Naraindas, Ashram Road, Ellis-bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
 INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR,
 HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380009

- (2) Narain Association, Regd. Office : Keshwani Building, Mirghawad, Relief Road, Ahmedabad.
 (Transferee)

- (3) Smt. Laxmibai w/o Naraindas Sadhuram.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380009, the 11th July 1975

Ref. No. Acq. 23-I-491(202)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 516/2, T.P.S. No. 3, situated at Madalpur, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

All that piece or parcel of land together with the Bungalow, out-houses, premises and all structures standing thereon, ad-measuring 1 Acre & 17.3 Gunthas, bearing Final Plot No. 516/2 of T.P.S. No. 3, and situated at Madalpur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1975
 Seal :

FORM ITNS—

(2) Ganesh Sahkari Aydyogic Vasahat Ltd., Chairman,
Shri Chandrakant Kanaiyalal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th July 1975

Ref. No. Acq. 23-I-501(203)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 393/1-1, F.P. No. 68, T.P.S. No. 10, situated at Rakhial, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Jethalal Vallabhbhai Bhavsar, Vachli Sheri, Raipur, Ahmedabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2775 sq. yards bearing Survey No. 393/1/1, Final Plot No. 68, T.P.S. No. 10 and situated at Rakhial, Ahmedabad.

J. KATHURIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 11-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kisanbai Kisanlalji Sarda, "Nandini", Nasik-Poona Road, Nasik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shriman Bastiramji Sardar, Charitable Trust, "Nandini" Nasik-Poona Road, Nasik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004(3) (a) M/s B. N. Sarda,
(b) M/s B. N. Sarda Pvt. Ltd.
(c) M/s B. N. Sarda Pvt. Ltd., Sinnar Bidi Udyog Ltd.,
(d) M.T. Agency,
(e) G.T. Agency,
all at "Nandini" Nasik-Poona Road, Nasik.
(Person in occupation of the property)

Poona-411004, the 18th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. C.A.5/Nasik/Jan'75/216/75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 816A H. No. 23, Station Road, situated at Nasik, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nasik on 4-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

House property bearing Survey No. 816-A, Municipal No. 23, Station Road, Nasik.

Area : 9024 Sq. Mtrs. (1/2 share)

(property as mentioned in the Registered deed No. 24 of January 75, of the Registering authority, Nasik).

H. S. AULAKH,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 18-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shriman Bastiramji Sardar, Charitable Trust,
"Nandini" Nasik-Poona Road, Nasik.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411 004

Poona-411004, the 18th July 1975

Ref. No. C.A.S./Nasik/Jan'75/217/75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 816-1-A, Municipal No. 23, situated at Nasik, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nasik on 17-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamalabai Deokisanji Sardar, "Nandini", Nasik-Poona Road, Nasik.

(Transferor)

(3) (a) M/s B. N. Sarda,
(b) M/s B. N. Sarda Pvt. Ltd.,
(c) M/s B. N. Sarda Pvt. Ltd., Sinnar Bidi Udyog Ltd.,
(d) M.T. Agency,
(e) G.T. Agency,
all at "Nandini" Nasik-Poona Road, Nasik.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing Survey No. 816-1-A, Municipal No. 23, Station Road, Nasik.

Area : 9024 Sq. Mtrs. (1/2 share)

(Property as mentioned in the Registered deed No. 146 of January, 1975 of the Registering authority, Nasik).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 18-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C. No. 69/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18-2-645, situated at Dhoolpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 9-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

19—236GI/75

(1) 1. Shri M. K. Vithal Rao S/o Pedda Balaiah, 15-2-645, Kishengunj, 2. Smt. Kollur Pushpa Veni W/o Satyanarayana, Old Bhoiguda, Hyderabad, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. Parameshwarkumar, Minor under the guardianship of his mother Smt. B. Shakuntala, 14-10-1371, Dhoolpet, Jali Hanuman, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 15-2-645, situated at Kishen Gunj, Hyderabad, having an area of 155.49 Sq. Metres.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 16th May 1975

Ref. No. A-98/Jrr/75-76./487-500.—Whereas, 1, Shri Egbert Singh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New P. No. 279, New Dag No. 1978 situated at Jorhat Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jorhat on 27-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohanlal Malpani, Rajmaidam Road, Jorhat.
(Transferor)

- (2) 1. Shri Akhechand Bajaj, 2. Shri Satyanarayan Bajaj, 3. Shri Sohanlal Bajaj, 4. Shri Babulal Bajaj 5. Shri Brijmohan Bajaj, C/o M/s Babulal Brijmohan, Jorhat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring more or less 1200 (one thousand two hundred) Square feet out of Old Dag No. 1727 and New Dag No. 1978 of Old Patta No. 499 and new patta No. 279 of Jorhat Town Block No. 6 with all the two storcyed Building, sanitary latrines and the other equipments within the same including electric fittings, being part of Municipal Holding No. 264(A) of Ward No. V(Old) of Jorhat Town and bounded by West—Proposed Common boundarywall and the vendor's own land, East Rajmaidam Road, North—Shop now in occupation of M/s Ramkrishan Radhesyam, South—Shop now in occupation of M/s. Chhaganlal Shankarlal having common wall and belonging to Vendor.

EBGERT SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 16-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Parveen Rani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hirdy Narain Beri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 7th February 1975

Ref. No. 34-B/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Vill. Bhur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 27-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A house under construction measuring 500 sq. yds. situated at Vill. Bhur in District Bulandshahar.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.49/75-76.—Whereas, I, K. V. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of H. No. 12-2-825/826 situated at Mehdiptnam, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 13-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, of the following persons, namely:—

(1) Smt. Zehra Fateema Hyder W/o late Mohd. Hyder, Through her G.P.A. Dr. Faheem M. Farooq, 9-4-2, Tolichowki, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Syed Mahboob Mohiuddin S/o Syed Pasha Miyan, Peddapali, Kareemnagar Dist. 2. Mrs. Syed Gulam Mohiuddin S/o Syed Pasha Miyan, New Mallepally, Hyderabad 3. Mrs. Meharunnissa Begum W/o Syed Gulam Mohiuddin, New Mallepally, Hyderabad 4. Mrs. Shakera Jahan Begum W/o Syed Mehboob, Mohiuddin, Peddapalli, Kareemnagar Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 12-2-825/826, Situated at Mehdiptnam, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-7-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Harikishen Soni S/o late Ramjivan Soni, H. No. 14-2-332/1, Gyanbagh Colony, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD(2) 1. Smt. G. Anasuya W/o G. Krishna 1-8-41/2,
Chikkadpally, Hyderabad.2. G. K. Narsimloo S/o G. Malliah, 1-8-41/4/2,
Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.71/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkata-
raman, being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot 5-1-496 situated at Putlibowli, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
Hyderabad on 31-1-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXXA of
the said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring about 303.11 Sq. Yds. bearing
Municipal No. 5-1-496 and part of 5-1-497, Putlibowli,
Hyderabad, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of the section 269D of the said Act, to the fol-
lowing persons namely :—

Date : 9-7-1975

Seal :

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

FORM ITNS—

(1) Smt. Malati Jal Ardeshir Naoroji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. C. Patel & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st July 1975

Ref. No. AR.V/230/1/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 82 and GTS No. 428 (part) situated at Village Devnar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground and premises situate at village Devnar (also known as Devnaram) formerly in Taluka Kurla, District Bombay Suburban and now within Greater Bombay and in the Registration Sub-district Bandra, district Bombay city and Suburban forming part of land bearing survey No. 82 and C.T.S. No. 428 (part) admeasuring 999.37 sq. metres (i.e. 1195.22 sq. yards) and bounded as follows : that is to say : on or towards the North by the remaining portion of the land bearing survey No. 82 and C.T.S. Nos. 427 (part) and 428 (part), on or towards the south by the remaining portion of the land bearing survey No. 82, on or towards the West by a 44 feet road and on towards the East by the remaining portion of land bearing survey No. 82.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 31-7-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Balkishna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jai Gopal & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. 24-J/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot No. 12 situated at Dalibagh Kothi Telak Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering officer at
Lucknow on 25-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

A plot No. 12 measuring 17665 Sq. ft. situated at Dali
bagh Kothi Tilari Lucknow.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

Date: 29-7-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mansha Devi.

(Transferor)

(2) Shri U. S. Bajpai,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th July 1975

Ref. No. 13-U/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1/A situated at Vivekanand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 13-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 1/A (Khasra No. 213M) is situated at Vivekanand Marg Lucknow.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax

Acquisition Range, Lucknow

Date : 28-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dwarka Nath Tandon,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kanwar Rani Rajashwari Devi & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st July 1975

Ref. No. 59-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-972 situated at Sector A Mahanagar Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Lucknow on 30-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

20--236 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. B-972 measuring 16400 sq. ft. is situated at Sector A. Mahanagar Lucknow.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 21-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nirmal chand,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rakesh Chand & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 15 is situated at A. P. Sen Road Lucknow
Consisting of following :

1. Ground Floor—6121 Sq. Ft.
2. First Floor—3309 Sq. Ft.
3. Tin Shed—736 Sq. Ft.

Ref. No. 58-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath,
being the competent authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
House No. 15 situated at A. P. Sen Road Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Lucknow on 8-1-1975
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 21-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sheela Varma & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. N. Arora,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

Ref. No. 57--R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot No. B-50 situated at Mahanagar Extension Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at Lucknow on 20-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the
transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. B-50 measuring 9075 Sq. Ft. is situated at
E Road Mahanagar Extension Lucknow.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 29-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 20th August 1975

Ref. No. DLI/69/74-75.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Plot No. C-1/16 in Model Town, Sector 11, situated at Faridabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi in January, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) The Principal Officer,
M/s. D.L.F. United Ltd;
40-F, Connaught Place,
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Smt. Sumitra Devi,
21-Baber Lane,
New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. C-1/16, Model Town, Sector 11, Faridabad.

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date . 20-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Surjit Singh, s/o Shri Kartar Singh, 464, Sham Singh Road, Ludhiana.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pritam Singh, s/o Shri Gurdit Singh, 570, Gill Road, Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 20th August 1975

Ref. No. LDH/C/545/74-75.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share in Kothi No. 464, Sham Singh Road, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in February, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in Kothi No. 464, Sham Singh Road, Ludhiana.

V. P. MINOCHA
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 20-8-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S. _____

(1) Shri Chaman Shah Kapoor,
C-4/8, Vasant Vihar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Principal Officer,
M/s. M. R. Khemka Agencies (P) Ltd;
349-R, Chawri Bazar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 20th August 1975

Ref. No. DLI/14/74-75.—Whereas, I, V. P. Minocha,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Ajrondha Cold Storage and Ice Factory situated on 18/1
mile on Delhi Mathura Rod, alongwith land appurtenant
thereto, situated at Village Ajrondha. (Faridabad)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
Delhi in February, 1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-
for by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-
Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ajrondha Cold Storage and Ice Factory situated on 18/1
mile on Delhi Mathura Road, alongwith land appurtenant
thereto, Village Ajrondha. (Faridabad).

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 227
of February, 1975 of the Registering Authority, Delhi.)

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 20-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Tinsukia Development Corporation, Tinsukia.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Eastern Road Carrier Pvt. Ltd., Tinsukia.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 2nd May 1975

Ref. No. A-96/TSK/75-76/374-83.—Whereas, I, Egbert Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Dag No. 2064, P.P. No. 114 situated at Tinsukia Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tinsukia on 5-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5093 Sq. Ft. covered by part of Dag No. 2064, P.P. No. 114 situated at Tinsukia Town in Dibrugarh District of Assam State.

EGBERT SINGH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 2-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Surjoo Bai, D/O Seth Tika Kam and W/O
Seth Chandra Sen, R/O Kila Dwar, Hathras.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th July 1975

Ref. F. No. Acq/42/Hathras/74-75/648.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Kila Dwar, near Sarjubai Balika Vidyalaya, Hathras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 1-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Surjoo Bai Balika Vidyalaya, Kila Dwar, Hathras.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property consisting three rooms, five small rooms, one gallery and appurtenant land, situated at Kila Dwar, Hathras, transferred for apparent consideration of Rs. 40,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380009, the 20th March 1975

Ref. No. PR.207/Acq.23-131/198/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 16—Hissa No. 2 paiki Kapadra, Tal. Chorasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 4-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

21—236GI/75

(1) Charansingh Bhishansingh
29, Sadhana Society, Varachha Road, Surat.
(Transferor)

(2) M/s. Pratap Steel Rolling Mills, Surat through partners :
Charansingh Bhishansingh
Minor Sukhadevsingh Charansingh
Minor Sukhabindersingh Charansingh
Chunilal Harjivandas Pandya
Isarsingh Bhishansingh
Bansilal Ramcharandasji
Dayaldasji Zandamal
Vijakumar Bansilal
Bhagwankor Charansingh
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property comprising land and building bearing Sur. No. 16 Hissa No. 2 paiki admeasuring total area of 5929 Sq. yards situated at Kapadra, Tal. Chorasi Dist. Surat as mentioned in the registered deed No. (new) 408/75 of February 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 20-3-1975

Seal :

FORM ITNS.—

(2) Shri Hiralal Virchand Sheth and Fakhruddin Abdul-hussein Bharmal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE V, AAYAKAR BHAVAN, M.
KARVE MARG. BOMBAY-400 020.

Bombay-400020, the 31st July 1975

Ref. No. AR.V/249/74-75.—Whereas, I. J. M. Mehra,
12

the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 190 Hissa Nos. 2 & 9 CTS No. 846 situated at Kurla Halav Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

- (1) Smt. Saubhagyadevi W/o Sarjuprasad Singh.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Firstly :

All that piece or parcel of vacant land or ground of Khoti Freehold tenure situate lying and being at Kurla Halav Road also known as Hall Road in the Registration Sub-district and Distt. of Bombay City and Bombay Sub-urban District in Greater Bombay containing by admeasurement 1058 sq. yards equivalent to 884.62 sq. metres or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue of the Bombay Sub-urban District under survey No. 190 Hissa No. 2 assessment Re. 1-3-0 and C.T.S. Nos. 846 and 847 and bounded as follows :— that is to say on or towards the East by Survey No. 190 Hissa No. 1 or towards the North by Survey No. 190 Hissa No. 3 on or towards the North by Survey No. 190 Hissa No. 9 on or towards the South by public road going towards the Halav Pakhadi or Hall Road.

Secondly :

All that piece or parcel of vacant plot of land or ground of Khoti freehold tenure situate lying and being at Kurla Halav Road also known as Hall Road in the Registration Sub-District and Dist. of Bombay City and Bombay Sub-urban District in Greater Bombay containing by admeasurement 1089 sq yards equivalent to 910.54 sq. metres or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue of the Bombay Sub-urban District under S. No. 190 Hissa No. 9 assessment Re. 1-5-0 and C.T.S. No. 846 and 847 bounded as follows :— that is to say on or towards the East by S. No. 190 Hissa No. 10 on or towards the North by S. No. 190 Hissa No. 12 and on or towards the South by Survey No. 190 Hissa No. 2.

J M MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 31-7-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 21st July 1975

Ref. No. F.IX/7/149/1974-75.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 62 situated at Harrington Road, Chetput, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at West Madras on March 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Ruttu Rajamannar,
66, Harrington Road,
Rajamannar Avenue, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

(2) Mrs. Shakeroonnisa N. Jamal,
14, Sivaganga Road, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 grounds at No. 62, Harrington Road, Chetput, Madras-31 (R.S. No. 359/4 Part).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-1, (1/c), Madras-6.

Date : 21-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 21st July 1975

Ref. No. F. IX/7/150/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 62 situated at Harrington Road, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at West Madras on March, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Ruttu Rajamannar,
66, Harrington Road,
Madras-31.

(Transferor)

(2) Shri Mahmud N. Jamal,
14, Sivaganga Road,
Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 grounds at door No. 62, Harrington Road, Madras-31 (R.S. No. 359/4 Part).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, (I/c), Madras-6.

Date : 21-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Ashit Kumar Biswas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1975

Ref. No. 48-A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-20/51 & S-20/52 Plot No. 4/1 & 4/2 situated at Mohalla Barama Bridge Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Varanasi on 5-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of House No. S-20/51 and S-20/52 with land plot No. 4/1 & 4/2 situated at Mohalla Barama Bridge Varanasi.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Her Highness Krishna Chandra Devi Rana & others.

(Transferor)

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date, 2-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Her Highness Krishna Chand Devi Rana & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashit Kumar Biswas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 2nd July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 48-A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. S-20/51 & S-20/52 Plot No. 4/1 & 4/2 situated at Mohalla Barama Bridge Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 5-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

A portion of House No. S-20/51 & 20/52 with land plot No. 4/1 & 4/2 is situated at Mohalla Barama Bridge Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date . 2-7-1975.
Seal :

FORM ITNS -----

(1) Smt. Her Highness Krishna Chaudree Devi Rama
& others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Protima Biswas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1975

Ref. No. 30-P/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-20/51 & S-20/52 plot no. 4/1 & 4/2 situated at Mohalla Barama Bridge Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Varanasi on 5-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of House No. S-20/51 and S-20/52 with land plot No. 4/1 & 4/2 is situated at Mohalla Barama Bridge Varanasi.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 2-7-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Smt. Her Highness Krishna Chaudree Devi Rama
& others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Protima Biswas,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1975

Ref. No. 30-P/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-20/51 & S-20/52 Plot No. 4/1 & 4/2 situated at Barama Bridge Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 5-3-1975

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of House No. 20/51 & 20/52 with land plot No. 4/1 & 4/2 is situated at Mohalla Barama Bridge Varanasi.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 2-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Heera Rani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kunwar Rani Mura Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1975

Ref. No. 53-M/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 509/150(509/148) New Hydrasad Lucknow situated at Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 4-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

A premises known as view Cottage No. 509/150(590/148) is situated at Trans Gomti Civil Line New Hydrasad Lucknow.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—236GI/75

Date: 2-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prem Chand Chaturvedi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Krishan Pal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 17th July 1975

Ref. No. 56-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 8 situated at 4, A, Park Road, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
Lucknow on 28-4-1975

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
Parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of the 'Said Act', to the following persons
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the 'Said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. 8, measuring 2713 sqr. fts. situated
on 4 A Park Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 17-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kasturi Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pratima Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 17th July 1975

Ref. No. 33-P/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Rahim Nagar Maha Nagar Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 25-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 9860 sq. fts. situated at Rahim Nagar Maha Nagar, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 17-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prem Chand Chaturvedi & others.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Jagan Nath Pal.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Lucknow, the 17th July 1975

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. 23-J/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot of land 8/1 situated at 4A Park Road Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Lucknow on 6th March 1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. 8/1 measuring 3016 sqr. fts. situated
on 4 A Park Road, Lucknow.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 17-7-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Basanti Rai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sheo Kumari Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th July 1975

Ref. No. 67-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 35 measuring 405 sq. yds. situated at Bagh Talib Ali Paeg & Tehsil Chail Dist. Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 10-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. 35 measuring 405 sq. yds. situated at Bagh Talib Ali Paeg and Tehsil Chail Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 8-7-75.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. M. Das Gupta, Manager of Loan Co. of Assam Ltd., Police Bazar, Shillong.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ahsan Elahi Nagi, C/o Nagis Garage, Jail Road, Shillong.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX (C.A.) ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 1st July 1975

Ref. No. A-105/Shg/75-76/991-1000.—Whereas, I, Egbert Singh

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Document No. 54 situated at Jail Road, Shillong (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shillong on 6-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Land measuring 5872 square ft. covered by document No. 54 situated at Jail Road, Shillong in Khasi Hills District of Meghalaya State.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax (C.A.) Acquisition Range,
Shillong.

Date : 1-7-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Zehra Fatima Hyder W/o late Mohd. Hyder,
Through G.P.A., Dr. Faheem Mohd. Farooq, 9-4-2,
Tolichowki, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Abdul Hadi S/o Abdul Gafoor, 97-B, Mallepalli,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C. 53/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-2-826 situated at Mehdiapatnam, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Portion of premises No. 12-2-826, measuring about 969 Sq. Mtrs. situated at Mehdiapatnam, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. K. Mukerji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Kumar Agarwal and Subhash Chandra
Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s Lahore Tailoring House. ((Person in occupation
of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 10th July 1975

Ref. No. 53-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 133/302 situated at Ganesh Gunj, Lucknow

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been
transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering officer at
Lucknow on 20-3-75,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the deduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
'Said Act' in respect of any income arising from
the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

A House No. 133/302 is situated at Mohalla Ganesh Gunj,
Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the 'Said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following
persons, namely :—

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Chandra,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Suman Gupta,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 18th July 1975

Ref. No. 59-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 538 1/52 situated at Pataura Ganj Sitapur Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 31-3-75/1-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—236GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/13th portion of the Sri Krishan Rice and Dal Mills No. 538-gha /52 comprising 5040 sqr fts. of land (Free hold) temporary quarters are constructed on an area of 2000 Sqr. fts. situated at Pataura Ganj Sitapur Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 18-7-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Ram Chandra,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Veena Gupta,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 19th July 1975

Ref. No. 18V/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. 533 अ/52 situated at Pataura Ganj Sitapur Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 31-3-75/1-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1/13th portion of the Rice and Dal Mills No. 538-Gha/52 comprising 5040 sqr. fts. of land (Free Hold) temporary quarters are constructed on an area of 1300 sqr fts situated at Pataura Ganj Sitapur Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 19th July 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Chandra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Madhu Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 19th July 1975

Ref. No. 56-M/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.—

situated at Pataura Ganj Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 8-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 4000 sq. ft. having shops & covered by the shed is situated at Pataura Gani, Sitapur Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 19-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Kanaiyalal Bhabhutbhai Mehta,
Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009(2) Laxmanbhai Veersingbhai Patel,
Ramjibhai Veersingbhai Patel,
Bombay.

(Transferee)

(3) Patwa Mahendrabhai Khemchandbhai
(out-house)

(Person in occupation of the property)

Ahmedabad-380009, the 18th April 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. PR.216/Acq.23-360/3-2/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. Sur. No. 13235 Sheet No. 82 Current No. 26 Muni. No. 5/1444/3 situated at Gobri Road, Palanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palanpur on 8-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property (Land and Building) known as "Guru-Sadan" bearing C. Sur. No. 13235 Sheet No. 82, current No. 26 Municipal No. 5/1444/3 admeasuring 7800 Sq. ft. including construction of 2481 sq. ft. situated at Gobri Road, Palanpur as mentioned in the registered deed New No. 225 of April 1975 of the Registering Officer, Palanpur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Dated : 18-4-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jayantilal Shakrabhai Shah,
Sanjivani Road,
Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

(2) Dr. Ramanbhai Shankarbhai Patel,
For & on behalf of H.U.F. as Karta & Manager,
Opp : Hathibhainiwadi,
Outside Delhi Gate,
Shahibaug Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 3rd July 1975

Ref. No. Acq. 23-I-406(195)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 318, Sub Plot No. 3/2, Block No. B-2, situated at Dariapur, Kasipur, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 29-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

A constructed property standing on land admeasuring 454 sq. yards alongwith cellar admeasuring 20 sq. yards bearing S. No. 318, Sub-Plot No. 3/2, Block No. B-2 and situated at Dariapur, Kasipur, Ahmedabad (and fully described in the sale document).

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 3-7-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1975

Ref. No. RAC. No. 97/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 62/1 situated at Kakaguda, village Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 30-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. R. Laxmi Reddy, W/o Dr. R. Ramachandra Reddy, H. No. 3-6-21 at Himyatnagar, Hyderabad.

2. M/s Sri Laxmi Enterprises, H. No. 3-6-291/1 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Vasavi Cooperative Housing Society Ltd. Secretariat Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : A portion of land admeasuring 4840 Sq. Yds. survey No. 62/1 at Kakaguda, village, Secunderabad.

I. R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 12-8-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri J. H. Tarapore,
15, Harrington Road,
Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vipon Chander Paul Bahl,
8, Valliammal Road, Madras-7.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th August 1975

Ref. No. FIX/1/55/1974-75.—Whereas, I, G. Ramanathan being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at Harrington Road, Chetput, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras on March, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 1 ground and 2202 sq. ft. at door No. 15 Harrington Road, Madras (S. No. 324-Part).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date : 12-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1975

Ref. No. RAC. No. 98/75-76.—Whereas, I. R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 62/1 situated at Kakaguda, village Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Secunderabad on 13-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri B. V. Satyanarayana Reddy, H. No. 10-2-320 at Maredpally, Secunderabad. 2. M/s Sri Lakshmi Enterprises, Managing partner Sri Bapaiah, Chowdry, H. No. 3-6-291/1 at Hyderguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) M/s Vasavi Cooperative Housing Society Ltd. Secretariat Road, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Survey No. 55/1 at Kakaguda Village, Secunderabad. Area 2 acres and 30 guntas.

(2) S. No. 62/1 1 acre 10 guntas.

Total 4 acres

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 12-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1975

Ref. No. RAC. No. 99/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 62/1 situated at Kakaguda, village Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad 4-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—236 GI/75

(1) 1. Sri B. V. Satyanarayana Reddy, R/o 10-2-320 at Maredpally, Secunderabad. 2. M/s Sri Lakshmi Enterprises, Managing Partner, Sri Bapaiah Chowdary R/o 3-6-291/1 at Hyderguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) M/s Vasavi Cooperative Housing Society Ltd. Secretariat Road, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : S. No. 62/1 at Kakaguda village, Secunderabad.
Area : Ac 3.37 yards.

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 12-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jwala Pd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajai Kumar and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1975

Ref. No. 50-A/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 120 and 335 etc. situated at Village Rinheepur West Faizabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Faizabad on 18-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 bighas 13 biswas 11½ Biswasias is situated at Vill. Rinheepur Distt. Faizabad.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 8-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ravinder Nath Banerji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Brahmdco Misra and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. 44-B/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 232 situated at Jolha Distt. Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 1-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Share of Plot No. 232 measuring 58½ Dc. is situated at Jolha Distt. Varanasi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Haridhan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhajan Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th August 1975

Ref. No. 45-B/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

2 Mi. situated at Vill. Bhojpur Distt. Rampur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belaspur on 7-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural land measuring 12 bighas is situated at Vill. Bhojpur Distt. Rampur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Roshan Jahan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chhotey Lal and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1975

Ref. No. 16-C/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 299/69 situated at Taniya Bhatiaran Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 27-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 299/69 measuring 1800 sq. ft. is situated at Mohalla Taniya Bhatiaran Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 5-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramji Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jasbinder Singh and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th August 1975

Ref. No. 25-J/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Mohalla Sighan Kashipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 7-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A house measuring 1050 sq. ft. is situated at Mohalla Sighan Kashipur Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 6-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kalesh Das Banerji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madan Mohan Lal and Others,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Lucknow, the 22nd July 1975

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 57-M/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 232 situated at Distt. Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 1-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Half Share of plot No. 232 measuring 58½ Dc. is situated at Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mewa Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajender Pd. Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th August 1975

Ref. No. 60-R/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plots No. 227 and 228 etc. situated at Bhavapur Kala Dande,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Allahabad on 17-1-1975,

for an apparent consideration which is/less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three plots measuring 19.12 Biswas are situated at Bhavapur Kala Dande Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Lucknow,

Date : 6-8-1975.

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Smt. Bachia,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Reekh Dev Singh and Others,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Lucknow, the 22nd July 1975

Ref. No. 61-R/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2416, 2430 etc. situated at Taribara gam Distt. Ballia, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Rasra on 20-1-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6.49 Dc. is situated at Vill. Taribara Gaon Distt. Ballia.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax, Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

25—236G175

Date : 22-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chanda Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raghubir Singh and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 30th July 1975

Ref. No. 62-R/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 273, 275 etc. situated at Vill. Kishanpur Molagarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur on 20-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income raising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7.59Dc. is situated at Vill. Kishanpur Molagarh Distt. Rampur.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

(2) Shri Raghubir Singh and Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th July 1975

Ref. No. 62-R/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 193, 194 etc. situated at Vill. Kishanpur Molagarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rampur on 30-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Asa Singh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15.59 D. is situated at vill. Kishanpur Molagarh Distt. Rampur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 30-7-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Asa Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raghuraj Singh and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th July 1975

Ref. No. 62-R/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 193, 194, etc. situated at Vill. Kishanpur Molagarh Distt. Rampur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur on 20-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15.59 De. is situated at Vill. Kishanpur Molagarh Distt. Rampur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 30-7-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Haridhan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Santokh Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Lucknow, the 6th August 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 70-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 मी० situated at Vill. Bhojpur Distt. Rampur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 7-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 bighas situated at Vill. Bhojpur Distt. Rampur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Date : 6-8-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Smt. Shanti Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sharda Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1975

Ref. No. 71-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-47/198 situated at Rama Pura Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Varanasi on 22-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. D-47/198 is situated at Mohalla Ramapura Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 5-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Munni Devi and Others,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saroj Tripathi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1975

Ref. No. 72-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 55 situated at Tilak Nagar Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 16-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 55 measuring 910 sq. ft. is situated at Tilak Nagar Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 8-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Baij Nath,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sita Ram,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1975

Ref. No. 73-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Kanpur Lucknow Road, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 8-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house situated at Kanpur Lucknow Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Date : 8-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Babu Jagar Nath Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satya Prakash and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st July 1975

Ref. No. 74-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 692, 693 etc. situated at Vill. Barhea Khurd, Distt. Deoria,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hata on 13-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—236GI/75

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 11.82 DC. is situated at Vill. Barhea Khurd Distt. Deoria.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 21-7-1975.

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Smt. Rama Devi Ojha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Usha Puri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. 14-U/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 548/634 situated at Mahangar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 11-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Half share of house No. 545/634 with plot No. 231 is situated at Mahanagar Lucknow.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1975

Ref. No. RAC. No. 100/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 62/1 situated at Kakaguda, village, Secunderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 4-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Smt. R. Laxmi Reddy W/o Dr. R Ramachandra Reddy, R/o 3-6-21 at Himayatnagar, Hyderabad.

(2) M/s. Sri Laxmi Enterprises, managing partner Sri Bapaiah Chowdary, 3-6-291/1 at Himyatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Vasavi Cooperative Housing Society, Vasavinagar, Secretariat Road, Hyderabad-4.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Survey No. 62/1 at Kakaguda, village, at Secunderabad.

Area : 18 guntas.

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jai Mal Singh & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vikram Singh & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5.11 acres situated at Mauza Patwara Distt. Lakhimpur-kheri.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5th August 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jai Mal Singh & Others.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Vikram Singh & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 19-V/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 879 situated at Mauza Patwara Distt. Lakhimpur-kheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nighasan on 27-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 acres situated at Mauza Patwara Distt. Lakhimpur-kheri.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 5th August 1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jai Mal Singh & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vishwa Nath & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which
ever period expires later;

Lucknow, the 5th August 1975

Ref. No. 20-V/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 879 situated at Mauza Patwara Distt. Lakhimpur-kheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nighasan on 27-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 acres situated at Mauza Patwara Distt. Lakhimpur-kheri.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 5th August 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhagwat Singh.

(Transferor)

(2) Phool Chand Singh Yadav and Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1975

Ref. No. 36-P/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 117 situated at Vill, Nari Panchdeora, Distt Ghazipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidpur on 22-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 bighas 3 biswa 7 biswansi is situated at Vill. Nor Panchdeora Distt. Ghazipur.

BISHAMBHAR NATH.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 8-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jai Mal Singh & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prem Prakash & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1975

Ref. No. 37-P/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 879 situated at Mauza Patwara Distt. Lakhimpur-kheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nighasan on 27-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any Income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6.11 acres situated at Mauza Patwara Distt. Lakhimpur-kheri.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Date : 5-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chander Prakash Hingurani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kusam Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th August 1975

Ref. No. 36-K/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. of House 198 situated at Mohalla Shastri Bella Hata Distt. Gorakhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gorakhpur on 18-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
27—235GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house measuring 2400 sq. ft. is situated at Mohalla Shastri Nagar Betia Hata Distt. Gorakhpur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow,

Date : 11-8-1975,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 31st July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/39/75-76.—Whereas, I, D. Ramarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Circle No. 19/27, Ward No. 1/3, House No. 2/0+3, East side portion of house situated at Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 1-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Amrut Pharmacy (P) Ltd., Nagpur through Director Shri Prataprao S/o. Krushnarao Pradhan.
(Transferor)
- (2) (1) Shri Sewakram s/o Laxmanrao Bawane.
(2) Shri Govindram s/o Laxmanrao Bawane.
(3) Shri. Prabhakarrao s/o Laxmanrao Bawane.
(Transferee)
- (3) (1) Nagpur Saree Kendra, Nagpur : Ground floor
(2) Dr. T. H. Rane, Nagpur : 1st floor.
(3) Shri D. V. Navgre, Nagpur : 2nd floor.
(Person in occupation of the property).
- (4) Nagpur Saree Kendra, Nagpur.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East side of House No. 2/0+3, Circle No. 19/27, Ward No. 1/3 measuring 39'6"×13'9" half portion of three storied Building situated on Sitabuldi main Road, Nagpur (Maharashtra State).

D. RAMARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 5th February 1975

Ref. No. Acq. File No. 147 J. No. I(540, 541, 542 & 543)/74-75.—Whereas, I, K. Subbarao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door Nos. 49-1-9, 49-1-10, 49-1-11 and 46-13-4 situated at Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kakinada on 31-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:—

- (1) The Trust Association of the Convention of Baptist Churches of the Northern Circars—Represented by I. Samuel, Opposite to Taluk Office, Kakinada.

(Transferor)

- (2) 1. Shrimati J. Santakumari, W/o Venkatareddy 2. Smt. Perupally Laxmi Bai, W/o Ramachandrarao 3. Smt. Chintakayala Kanthamma, W/o Balakrishna 4. Puvvala Nirmaladevi, W/o Ravindra Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East Godavari District—Kakinada Sub-Registrar—Kakinada Municipality—Kakinada Town—Kakinada Ward No. 8—Block No. 15—T.S. Nos. 743 & 744—Door No. 46-13-4.

1. Boundaries to the property *BOUNDRIES of Smt. J. Santakumari Document No. 446.*
East : 115'.6" C. Kantamani
West : 115'.6" Church Road
North : 48'.3" Sivalayam Street
South : 53'.6" P. Nirmaladevi
2. Boundaries to the property of P. Laxmi Bai Document No. 447
East : 175'.9" vacant plot
West : 155'.9" Church Road
North : 126'.9" P. Nirmaladevi
3. Boundaries to the property of C. Kantamani Document No. 448
East : 115'.6" vacant plot
North : 115'.6" J. Santakumari
West : 67'.6" Sivalayam Street
South : 69'.00" P. Nirmaladevi
4. Boundaries to the property of P. Nirmaladevi Document No. 449
East : 73'.6" vacant plot
West : 78'.9" Church Road
North : 121'.9" Smt. C. Kantamani & J. Santhakumari's
sestn
South : 120'.9" P. Laxmi Bai

K. SUBBARAO,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 5-2-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore,
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Doddu Sathiraju, Mohd. Ali Street, Gandhi-
nagar, Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. EG No. 613/74-75 Acq. File No. 227.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 6-1-51 situated at Jawahar Street, Ramarao-peta, Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 15.2.1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1254 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-8-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shilukuri Seetha Mahalaxmi, W/o Dr. Ch. Srinivasarao, Ramadas Clinic, Majestic Cinema Street, Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. EG. No. 614/74-75 Acq. File No. 228.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 6-1-51 situated at Jawahar Street, Ramaraopeta, Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 15-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

The schedule property as per document No. 1255 registered before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. P. Narayanarao, C/o Seva Sadan, Nursing
Home Opp. Town Hall, Main Road, Kakinada.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. EG. No. 594/74-75 Acq. File No. 226.—Whereas,
I, B. V. Subbarao,

being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Door No. 6-1-51 situated at Jawahar Street, Ramaraopeta,
Kakinada,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Kakinada on 15-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the Said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the
Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1253 registered
before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 13-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Bella Suryanarayanamma, W/o Veerabhadrao
Gopalakrishna Road, Ramaraopeta, Kakinada.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. EG. No. 593/75-76 Acq. File No. 225—Whereas,
I, B. V. Subbarao,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
No. Door No. 6-1-51 situated at Jawahar Street, Ramaraopeta,
Kakinada,
(and more fully described in the Schedule annexed here-
to), has been transferred as per deed registered under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Kakinada on 15-2-75
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-
deration therefor by more than fifteen percent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the Parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
'said Act', in respect of any income arising from
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the
following persons, namely:—

- (1) Smt. Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Banga-
lore,
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the 'said Act', shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1252 registered
before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-8-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Palivela Satyaraju, W/o Baskara Rao, 6-1-51, Jawahar Street, Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. EG. No. 592/74-75 Acq./File No. 224—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 6-1-51 situated at Jawahar Street, Ramaraopeta, Kakinada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kakinada on 13-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1251 registered before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 13-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kankatala Subramanyeswararao, Rajahmundry.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Inumarthi Nandikeswaramma, Rajahmundry.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 18th July 1975

Ref. No. J. No. I(602)/EG/74-75/Acq. File No. 209.—
Whereas, I, B. V. Subbarao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14/105 C.S. 30-2-5 situated at Gazinana Saheb St., Rajahmundry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 28-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—
28—236G1/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per sale deed dated 28-2-1975 vide document No. 679 registered on 28-2-75 before the S.R.O., Rajahmundry.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 18-7-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kankinda, the 17th July 1975

Ref. No. I(680)/GTR/74-75/Acq. File No. 210.—

Whereas, I. B. V. Subbarao,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-27-127 situated at Silamvarj Street, Kothapeta, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 28-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri N. Ramakoteswararao, (2) N. Prabhakararao, (3) Smt. Ch. Laxmikanthamma, (4) N. Bhimalingeswaramma, (5) Smt. B. Udaya Baskaramma, (6) Smt. N. Satyanarayanamma, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri Dr. Rapuri Ramakrishnarao, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per sale deed dated 28-2-75 vide document No. 703, registered before the S.R.O., Guntur.

B. V. SUBBARAO,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kakinada.

Date : 17-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri T. Venkateswararao, (2) T. Murali Krishna, Vijayawada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Maturi Venkateswararao, S/o M. Poornachandrarao, Main Road, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 3rd July 1975

Ref. No. J. No. 504(VJA)/74-75/Acq. File No. 204.—

Whereas, I, B. V. Subbarao,

being the Competent Authority

under Section

29B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-51-14 situated at Pottiswamy Street, Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule of property, namely land and building as shown in the sale deed No. 545 of S.R.O., Vijayawada in the month of February, 1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 3-7-1975

Seal:

FORM ITNS ———

(1) Smt. Gandhi Muthu Laxmi, W/o Gandhi Venkata Apparao Kakinada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Medapati Varalaxmi, W/o Medapati Suryanarayana Reddy, Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 21st July 1975

Ref. No. J. No. I(617)/EG/74-75/Acq. File No. 211.—
Whereas, I, B. V. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 179 situated at Dwarakanagar area, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 31-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule property as per sale deed dated 14th March, 1975 vide document No. 1905 registered on 20-3-75 before S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 21-7-1975

Seal :

FORM ITNS

- (2) 1. Smt. Laxmi Devi Saraogi.
2. Omprakash Saraogi &
3. Prahlad Bhagat Pasari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 19th August 1975

Ref. No. AC-7/Acq. R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. Inamdar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, situated at Canal East Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Calcutta on 7-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Coates of India Ltd.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of revenue free land together with all buildings, structures, godown and erecting standing on 3, Canal East Road, Calcutta, Land area on actual measurement 3 Bighas 7 Cottahs & 6 chattaks as per deed No. I-7168 dt. 7-12-1974.

S. S. INAMDAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-V, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

29—236G1/75

Date : 19-8-1975.

Seal :

